अशोका एक्सप्रेस

SMA - Ashoka Express Publication

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 27 ● अंक : 38 ● नई दिल्ली ● 16 से 22 अक्तूबर 2024 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

चुनाव आयोग ने 14 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में उपचुनाव की घोषणा की

चुनाव से पहले फ्री वाली स्कीमों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र और ईसी को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली।

चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त वादों को रिश्वत घोषित करने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को इस संबंध में नोटिस जारी किया है। याचिका में अनुरोध किया गया है कि चुनाव आयोग को ऐसे मुफ्त वादों पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए जाएं। याचिका में कहा गया है कि चुनावों के दौरान राजनीतिक दल अक्सर मुफ्त सुविधाएं देने का वादा करते हैं, जो भविष्य में वित्तीय बोझ का कारण बनते हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही, इस याचिका को लंबित मामलों के साथ भी टैग किया गया, जिससे इसकी गंभीरता को समझा जा सके। इस कदम से यह संकेत मिलता है कि अदालत इस मामले को गंभीरता से ले रही है और चुनावों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने की आवश्यकता को महसूस कर रही है। कर्नाटक के निवासी शशांक जे श्रीधर द्वारा दायर जनहित याचिका में यह कहा गया है कि मुफ्त के अनियमित वादे सरकारी खजाने पर अत्यधिक वित्तीय बोझ डालते हैं। याचिका में चुनाव आयोग से यह अनुरोध किया गया है कि वह चुनाव पूर्व अवधि के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले मुफ्त वादों को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इन वादों के कारण न केवल सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ता है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता को भी कमजोर करता है।

सरकारी खजाने से वित्तपोषण का मुद्दा

याचिका में यह भी मांग की गई है कि विधानसभा या आम चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए गए मुफ्त उपहारों का वादा, यदि उनकी पार्टी चुनाव के बाद सरकार बनाती है, तो उसे सरकारी खजाने से वित्त पोषित किया जाएगा।

रिश्वत के प्रस्ताव का मुद्दा

याचिका में यह भी कहा गया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अंतर्गत मुफ्त उपहारों का वादा दरअसल रिश्वत की पेशकश के माध्यम से वोट देने के लिए प्रेरित करने का एक भ्रष्ट आचरण है। राजनीतिक दल अक्सर चुनावी प्रचार के दौरान ऐसे वादे करते हैं, लेकिन वे यह स्पष्ट नहीं करते कि इन उपहारों का वित्त पोषण कैसे किया जाएगा। यह स्थिति न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करती है, बल्कि मतदाताओं के साथ भी धोखा करती है।

मतदाता और पारदर्शिता की कमी

याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि पारदर्शिता की कमी के कारण सरकारें अक्सर इन मुफ्त वादों को पूरा करने में विफल रहती हैं, जिससे मतदाताओं के साथ धोखाधड़ी होती है। याचिकाकर्ता ने यह चिंता भी व्यक्त की है कि मुफ्त का यह चलन स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांत को कमजोर कर रहा है।

अब मतदाता नीतियों या शासन के रिकॉर्ड के बजाय तत्काल व्यक्तिगत लाभ के आकर्षण से प्रभावित हो रहे हैं, जो लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

महाराष्ट्र-झारखंड में कांग्रेस ने पर्यवेक्षकों की हुई नियुक्ति, गहलोत-पायलट को सौंपी अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की। इसमें अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे नेताओं को भी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। अशोक गहलोत और जी परमेश्वर को मुंबई और कोंकण क्षेत्र की देखभाल के लिए और सचिन पायलट और उत्तम कुमार रेड्डी को मराठवाड़ा क्षेत्र की देखरेख के लिए नियुक्त किया गया। भूपेश बघेल, चरणजीत सिंह चन्नी और उमंग सिंघार विदर्भ क्षेत्र (अमरावती और नागपुर) की देखभाल करेंगे। पार्टी ने कहा कि सैयद नसीर हुसैन और डी अनसूया सीताक्का को उत्तर महाराष्ट्र के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : बहराइच से पुलिस ने दो लोगों को उठाया, वारदात में सहयोगी रहने का आरोप

बहराइच ।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश के बहराइच निवासी हरीश कुमार बालकराम (23) और अनुराग को गिरफ्तार किया गया है। बालकराम पुणे में स्क्रैप डीलर के तौर पर काम करता था। वह साजिश का हिस्सा था उसने पैसे और अन्य रसद मुहैया कराई थी। आगे की जांच जारी है। हरीश कुमार गंडारा का रहने वाला है। वह चार साल पहले मुंबई गया और वहीं पर कबाड़ का काम शुरू किया था। इसी के बुलाने पर धर्मराज मुंबई गया था। हरीश और अनुराग धर्मराज के ही रिश्तेदार हैं।

अनुराग पहले पकड़े गए आरोपी धर्मराज का सगा छोटा भाई है और हरीश गांव का रहने वाला है। इसके अलावा यूपी एसटीएफ व मुंबई पुलिस की जांच में पता चला है कि इन्हीं गांवों के दो लोगों के खातों में मुंबई से 50-50 हजार रुपए भी ट्रांसफर किए गए हैं। हालांकि, यह कौन लोग हैं जिनके खातों में पैसे आए हैं। इसके बारे में अभी पुलिस कोई अधिकारीक तौर पर खुलासा नहीं कर रही है लेकिन सूत्र बताते हैं कि जिन लोगों के अकाउंट में पैसे आए हैं उनको या उनके परिवार के लोगों को भी मुंबई पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। इसके अलावा अन्य तमाम पहलुओं पर मुंबई पुलिस और यूपी एसटीएफ द्वारा इस मामले में निरंतर जांच की जा रही है।

वक्फ संशोधन विधेयक/ विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र, बैठक में नियमों के उल्लंघन का लगाया आरोप

नई दिल्ली । कई विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की आज की बैठक के दौरान संसदीय आचार संहिता के घोर उल्लंघन का आरोप लगाया। पत्र में लिखा गया है कि अध्यक्ष जगदम्बिका पाल द्वारा समिति की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण ढंग से संचालित की गयी। अध्यक्ष द्वारा समिति के समक्ष साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए अनवर मनिप्पाडी को दिया गया निमंत्रण समिति के दायरे में नहीं है। विपक्ष के सांसदों ने आरोप लगाया कि हम इस मामले में आपसे तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध करते हैं, और आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप समिति के अध्यक्ष को द्विदलीय होने और संसदीय मानदंडों को बनाए रखने के उनके कर्तव्य की याद दिलाएंगे। इससे पहले विपक्ष के कई सांसदों ने मंगलवार को वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से बहिर्गमन किया और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सदस्य ने उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है। कल्याण बनर्जी, गौरव गोगोई, ए राजा, मोहम्मद अब्दुल्ला और अरविंद सावंत सहित विपक्षी सदस्य संसदीय समिति की बैठक से उठ कर बाहर चले गए। संसदीय समिति अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों के पक्ष सुन रही थी। करीब एक घंटे तक बैठक से दूर रहने के बाद विपक्षी सदस्य फिर से इसमें शामिल हुए। भाजपा सदस्यों का दावा था कि विपक्षी सदस्य समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को लेकर अशोभनीय टिप्पणी कर रहे थे। यह लगातार दूसरा दिन है जब विपक्षी सदस्यों ने मतभेद के बाद बैठक से बहिर्गमन किया है।

जिम्मेदारी निभाई गयी होती तो ऐसी घटना कभी भी घटित नहीं होती- बहराइच हिंसा पर मायावती की सरकार को नसीहत

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति पर ''चिंता व्यक्त की और कहा कि इसका खराब होकर काबू से बाहर हो जाना चिंताजनक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन की नीयत और नीति पक्षपातपूर्ण नहीं होनी चाहिए। मंगलवार को 'एक्स पर एक पोस्ट में मायावती ने कहा, ''उप्र के बहराइच जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति का खराब होकर काबू से बाहर हो जाना चिंताजनक है। ऐसे हालात के लिए शासन-प्रशासन की नीयत व नीति पक्षपातपूर्ण नहीं बल्कि पूरी तरह से कानूनवादी होना चाहिए, ताकि संबंधित मामला गंभीर नहीं हो तथा शांति व्यवस्था की स्थिति बनी रहे। उन्होंने कहा, ''साथ ही, त्योहार कोई भी व किसी मजहब का हो, शांति व्यवस्था सरकार की पहली जिम्मेदारी है। ऐसे अवसर पर विशेष प्रबंध जरूरी हैं। यदि ऐसी जिम्मेदारी निभाई गयी होती तो बहराइच की घटना कभी घटित नहीं होती। सरकार हर हाल में अमन-चैन व लोगों के जान-माल व मजहब की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

महाराष्ट्र में एक, झारखंड में दो चरण में वोटिंग

नई दिल्ली। इलेक्शन कमीशन ने मंगलवार को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ 48 विधानसभा और 2 संसदीय क्षेत्रों में उप चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को और झारखंड में 2 फेज में चुनाव होंगे। पहले फेज में 13 नवंबर को और दूसरे फेज में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। रिजल्ट 23 नवंबर को आएंगे। 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी 2 फेज में होगा। 47 विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर वोटिंग 13 नवंबर को की जाएगी। एक विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा। नतीजे भी 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को, वहीं झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है।

ईसी ने ईवीएम पर फैक्ट के साथ जवाब दिया, प्रोसेस बताई

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया, लोग पूछते हैं कि किसी देश में पेजर से ब्लॉस्ट कर देते हैं, तो ईवीएम क्यों नहीं हैक हो सकती। पेजर कनेक्टेड होता है भाई, ईवीएम नहीं। 6 महीने पहले ईवीएम की चेकिंग शुरू होती है। पोलिंग पर ले जाना, वोटिंग के बाद वापस लाना। हर एक स्टेज पर पॉलिटिकल पार्टी के एजेंट या कैंडिडेट मौजूद होते हैं। जिस दिन कमीशनिंग होती है, उस दिन बैट्री डाली जाती है। वोटिंग से 5-6 दिन पहले कमिशनिंग होती है। इस दिन सिंबल डाले जाते हैं और बैट्री डाली जाती है। बैट्री पर भी एजेंट के दस्तखत डाले जाते हैं। स्ट्रॉग रूम में जाती है, यहां भी 3 लेवल की चेकिंग होती है। जिस दिन पोलिंग के लिए निकलेंगी, तब भी यही प्रोसेस होगी। वीडियोग्राफी होगी। नंबर भी शेयर होंगे, ये मशीन यहां बूथ पर जाएगी। फिर चेकिंग होगी, वोट डालकर देखे जाएंगे। पूरे दिन वोटिंग हुई। फिर मशीन लॉक। फिर दस्तखत और हिसाब-किताब होता है। 20 शिकायतें आई हैं। हम हर सवाल का फैक्चुअल जवाब देंगे। जल्दी देंगे। अगला भी कुछ आएगा, रुकेगा नहीं।

सम्पादकीय

ओवरथिंकिंग : 'यह क्या हुआ, कब हुआ...' में मत उलझें

ओवरथिंकिंग लोगों में एक बड़ी मानसिक बीमारी के रूप में सामने आ रही है। हमारे आसपास के अनेक लोग किसी भी बात को लेकर बहुत यादा सोचने लगते हैं। कुछ लोग एक ही बात सारा दिन सोचते रहते हैं। चिंताएं, परेशानियां, मानसिक तनाव हर किसी की जिंदगी में हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि आप किसी भी एक बात को लेकर बैठे रहें, सोचते रहें। चिंता करने की आदत ही आगे चलकर ओवरथिंकिंग में बदल जाती है। किसी भी काम को करने या फैसला लेने से पहले लोग सोचते हैं, जो सही भी है। यह इंसान का नैचुरल स्वभाव है, लेकिन जब यह स्वभाव हद से यादा बढ़ जाए तो ओवरथिंकिंग कहलाती है। ओवरथिंकिंग के लक्षण कुछ इस प्रकार के होते हैं। अपने साथ हुए किसी खराब और शर्मिंदा करने वाले लम्हे को याद करते रहना, बार-बार सोचते रहने से नींद सही से नहीं आना, पुरानी बातों को याद करते रहना, उसमें समय बर्बाद करना, आपकी गलतियां कोई बताए तो उसे सोचते रहना, किसी ने कुछ कह दिया तो उसे दिल-दिमाग से लगाना, अपने अतीत और भविष्य के बारे में अत्यधिक सोचते रहना और अपनी चिंताओं से खुद को उबार पाने में असफल होना इत्यादि। ओवरथिंकिंग से बचने के लिए कुछ जापानी उपाय हैं, जिनका आधार भारतीय संस्कृति ही है। यूं भी दुनियाभर में जापान के लोगों का लाइफस्टाइल सबसे बेहतर माना जाता है। यदि आप ओवरथिंकिंग से पीछा नहीं छुड़ा पा रहे हैं तो कुछ प्रभावी जैपनीज तकनीक ओवर थिंकिंग को रोकने में मददगार हो सकती हैं। इसमें सबसे पहले है शोगानाई। शोगानाई कहता है कि जो भी चीजें आपके बस में नहीं हैं उन्हें स्वीकार करें। ऐसी बातों पर अपना समय व्यर्थ न करें जिन पर आपका कोई कंट्रोल न हो। इसकी बजाय उन चीजों पर फोकस करो जिन्हें कर आप अपनी जिंदगी में कुछ बेहतर कर सकते हो। हमेशा आगे का सोचकर चलें। यदि आपने इस तरीके को अपना लिया तो आप जिंदगी में आने वाली समस्याओं का सामना बेहतर तरीके से कर पाएंगे। दूसरी जापानी तकनीक है शिरिन योकू। इस तकनीक का मानना है कि ओवरथिंकिंग से बचने का सबसे बेहतर तरीका होगा कि आप प्रकृति की गोद में या हरियाली में समा जाएं। नदियों और पहाड़ों की खूबसूरती में खो जाएं। इससे ओवरथिंकिंग से राहत महसूस होगी। तीसरी तकनीक है गामन, जिसका अर्थ होता है दृढ़ता। यह तकनीक सिखाती है कि मुसीबत के समय में खुद को कमजोर न समझें। मुश्किलों का मजबूती से सामना करें, इससे जिंदगी की भारी-भरकम परेशानियां भी मामूली लगने लगेंगी। मुसीबत के बारे में यादा सोचने की बजाय इससे कैसे लड़ना है, इस पर फोकस करें। यह हमें मुसीबत के आगे घुटने टेकने की बजाय उससे कैसे निपटना है, इसमें मदद करता है।

देश के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और संघीय ढांचे को खतरा

आजादी के बाद देश के सामने आई कई कठिनाइयों और कमजोरियों के बावजूद भारत में धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक परंपराओं को कायम रखा जा रहा है। इन्हीं परंपराओं का आशीर्वाद है कि बहुधार्मिक, बहुजातीय, विविध संस्कृति, भिन्न-भिन्न भाषाएं बोलने वाले लोगों का हमारा देश आज भी एकजुट है और अपनी रक्षा के मामले में कई देशों से अधिक सक्षम है। हमारी तुलना में, पाकिस्तान की धर्म-आधारित गैर-लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था, जिसने गरीब लोगों को भुखमरी के कगार पर छोड़ दिया है, हमारे लिए सीखने के लिए एक बड़ा सबक है। हालांकि, बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि उपर्युक्त महान परम्पराओं के कारण ही भारत आज जिस उच स्थान पर पहुंचा है, आज उसकी नींव को कमजोर करने की तैयारी हो चुकी है। देश के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और संघीय ढांचे को उन ताकतों से बहुत खतरा है जो भारत को धर्म आधारित, कट्टरपंथी-पिछड़ा देश बनाकर तीव्र जाति-पाति और लैंगिक भेदभाव वाली अलोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं।

एक खास तरह के संगठन और उससे जुड़े संगठनों के नेता आए दिन अपने ही देशवासियों के लिए काल्पनिक खतरा पैदा कर बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय को अपनी रक्षा के लिए हथियार उठाने के लिए उकसाते हैं। ये बदनाम समूह एक विशेष धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय को देशद्रोही, आतंकवादी, उग्रवादी, घुसपैठिया, भारतीय संस्कृति का दुश्मन और अन्य बातें बोलकर समाज की नजरों में नफरत का पात्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी शासन व्यवस्था तभी मजबूत रह सकती है जब प्रत्येक नागरिक को सरकार से असहमत होने का अधिकार हो तथा लिखने, बोलने एवं अन्य माध्यमों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हो। साथ ही कानून एवं व्यवस्था की मशीनरी को सरकार के दबाव एवं हस्तक्षेप से मुक्त होकर अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को निर्भीक होकर पूरा करना होगा। इसके अलावा, प्रत्येक संस्था और सरकारी पद पर बैठा कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, संविधान के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। ऐसे ढांचे में, लोगों के राय का चौथे स्तंभ, यानी 'प्रिंटिंग और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया' की स्वतंत्रता और निष्पक्षता जरूरी है। यह बहुत जरूरी है कि सोशल मीडिया को भी इसी भावना से संचालित किया जाना चाहिए। यदि किसी भी लोक राय संरचना में लोगों के दिल और दिमाग सभी प्रकार के नाजायज दबाव और प्रतिशोध से मुक्त नहीं हैं, तो लोकतंत्र की वास्तविक अवधारणा गायब हो जाती है। इन सबके अलावा, लोकतांत्रिक व्यवस्था में समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर चुनाव कराना भी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है ताकि देश के सभी नागरिक बिना किसी लालच, भय, दबाव और भेदभाव के अपने विवेक के अनुसार मतदान कर सकें। तदनुसार, वे अपने वोट के अधिकार का उपयोग करके अपनी पसंद की सरकार या प्रतिनिधि चुन सकते हैं।

इसके लिए देश के संविधान में आवश्यक कानून भी है और प्रक्रिया भी दर्ज है। चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से संचालित करते हुए देश की नींव को बनाए रखना और मजबूत करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। हालांकि, यह बेहद चिंता का विषय है कि देश में सभी स्तरों के चुनावों में लोकतांत्रिक ढांचे की नींव लगातार कमजोर हो रही है। लोकसभा चुनाव में प्रत्येक उम्मीदवार के लिए 95 लाख, विधानसभा के लिए 40 लाख और पंचायत चुनाव के लिए 40 हजार रुपए खर्च करने की सीमा तय की गई है। लेकिन क्या लोकसभा और निचली संस्थाओं में ऐसा हो रहा है? मतदाताओं को लुभाने के लिए उम्मीदवारों द्वारा नशीली दवाओं, धन और उपहारों के वितरण जैसी अवैध गतिविधियों पर बेशुमार धनराशि खर्च की जाती है। शासक वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक दल चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान विज्ञापनों के माध्यम से पैसा खर्च करते हैं।सत्ता हासिल करने के लिए धर्म-जाति-क्षेत्र-भाषा आदि अंधराष्ट्रवादी मुद्दों का दुरुपयोग कर समाज में फूट डालना वर्तमान चुनाव प्रणाली की सबसे बड़ी समस्या है। यहां यह उल्लेख करना अप्रासंगिक नहीं होगा कि देश की स्वशासी संस्था, भारत निर्वाचन आयोग वास्तव में निर्वाचन प्रणाली की निष्पक्षता और दक्षता के प्रति मतदाताओं का विश्वास कायम रखने में विफल रही है। अफसोस की बात है कि शासकों और नौकरशाहों के इस व्यवहार के कारण और गुरबत की हत्या के कारण पैदा हुए राजनीतिक-वैचारिक पिछड़ेपन के चलते, आम जनता के एक बड़े हिस्से ने आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाते हुए इन सभी अवैध और अपमानजनक प्रथाओं को स्वीकार कर लिया है। जब किसी गांव में एक अमीर आदमी सर्वसम्मति के नाम पर सरपंच बनने के लिए 2 करोड़ रुपए की बोली लगाता है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि 'अमीर लुटेरे' केंद्र से लेकर ग्रामीण स्तर तक हर सार्वजनिक संस्थान को नियंत्रित करते हैं। यदि यह रकम सचे परिश्रम से अर्जित की गई हो तो ऐसा नहीं हो सकता। ऐसे धन का स्रोत काले कारोबार पर आधारित लूट की कोई मशीनरी है। इतना खर्च करके जीत हासिल करने वाले किसी भी व्यक्ति से जनसेवा की उम्मीद करना या ईमानदार बनकर अपनी उचित जिम्मेदारी निभाने के बारे में सोचना 'मूर्खों के स्वर्ग में रहने' के बराबर है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार, सख्त कार्रवाई की दरकार

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें। बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इछाशक्ति सवालों के घेरे में है। भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है। बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकुल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, ''दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।'' देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, ''भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अडंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है।' लेकिन किसी राष्ट्र को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है। वैसे भी बांग्लादेश का विकास भारत के सहयोग पर निर्भर है, जिस भू-भाग को रवींद्रनाथ टैगोर 'आमार सोनार बांग्ला' (मेरा स्वर्णिम बंगाल) कहते थे, जहां की अर्थ-व्यवस्था एवं अन्य विकास योजनाएं भारत के सहयोग से ही आगे बढ़ती रही है, कभी भारत की कोशिशों से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। बांग्लादेश को आधी से ज्यादा बिजली भारत से मिलती है। अनाज की बड़ी सप्लाई भी भारत से होती है। अगर भारत ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। बावजूद इन सब स्थितियों के वहां भारत-विरोधी घटनाओं का उग्र से उग्रतर होना खुद के पांव पर कुल्हाड़ी चलाने जैसा है। बांग्लादेशी आकाओं को भगवान सद्बुद्धि दे। फिर भी अगर बांग्लादेश नहीं सुधरता है तो समय आ गया है कि हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं पर भारत कड़ा रुख अख्तियार करे। बांग्लादेश पर दबाव बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाना चाहिए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है। हिन्दू धर्म भारत की संस्कृति एवं आत्मा है। हिन्दू धर्म संयम, त्याग और बलिदान का धर्म है। इसमें हमेशा दूसरे धर्मों को सम्मान देने का काम किया है। हिन्दू धर्म उदारता, प्रेम, आपसी सद्भाव और सहनशीलता पर आधारित धर्म है। हिन्दू धर्म की सहिष्णुता को कमजोर मानकर हिन्दू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य लगातार होता रहा है। वैसे तो प्रत्येक धर्म की अपनी मान्यताएं होती हैं, किन्तु विकृत मानसिकता वाले लोगों ने हिन्दू धर्म को मध्यकाल से ही नीचा दिखाने की कोशिशें कीं। भारत पर लगातार आक्रांताओं के हमले होते रहे और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया। हिन्दुओं के लाखों मंदिर तोड़े गए। हिन्दुओं से अपने ही देश में हिन्दू होने पर 'जजिया' यानि कर लगाया गया। पूर्व की सरकारों ने भी वोट की राजनीति के चलते हिन्दुओं को दोयम दर्जा पर रखा। फिर भी हिन्दू धर्म ने उदारता और सहनशीलता को नहीं छोड़ा। अगर हिन्दू कट्टर होता तो अन्य धर्मों के लोग भारत में नहीं दिखते। देश बंटवारे के समय पाकिस्तान में 20 प्रतिशत से यादा हिन्दू थे लेकिन आज उनकी आबादी 2 प्रतिशत भी नहीं रही और भारत में मुसलमानों की आबादी 2 प्रतिशत से 20 प्रतिशत नहीं होती। यह हिन्दू उदारता का ही परिणाम है। लेकिन प्रश्न है कि आखिर कब तक हिन्दू ऐसी अग्नि परीक्षा देता रहेगा? कब तक हिन्दू की सहिष्णुता को कमजोरी मानकर उन पर अत्याचार होते रहेंगे?

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

अपनी बेटी आराध्या के लिए ऐसा सोचती हैं ऐश्वर्या राय, बोलीं- वो मेरी दुनिया हैं

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन को अक्सर उनकी बेटी आराध्या बच्चन के साथ स्पॉट किया जाता है। ऐश्वर्या अपनी बेटी के बेहद करीब हैं। ऐश्वर्या इन सभी जगहों पर लगभग हमेशा अपनी बेटी के साथ दिखाई पड़ती हैं। दोनों एक साथ एक दूसरे का हाथ पकड़े चलती नजर आती हैं। ऐश्वर्या अपनी बेटी को अपनी दुनिया मानती हैं। अपनी बेटी को लेकर ऐश्वर्या क्या सोचती हैं, आइए आपको बताते हैं। अपनी बेटी आराध्या को लेकर ऐश्वर्या ने कहा कि वह अपनी बेटी को लेकर काफी ज्यादा सोचती हैं। ऐश्वर्या ने कहा, आराध्या ही मेरे लिए सब कुछ हैं। वो ठीक हैं, तो मैं ठीक हूं। ये दुनिया खुशियों से भरी है। वह मेरी दुनिया है और मैं इससे काफी खुश रहती हूं। खुश होते हुए ऐश्वर्या ने कहा, आराध्या, आराध्या, आराध्या। हाल ही में ऐश्वर्या राय बच्चन और आराध्या दुबई के अवॉर्ड शो SIIMA 2024 में नजर आईं थीं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस अवॉर्ड शो में मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन में अपनी भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी आराध्या काफी चर्चा में रही थीं। उन्होंने शिव राज कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिया था, ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद प्रशंसकों ने आराध्या के संस्कारों और परवरिश की तारीफ की। एक बातचीत के दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान ऐश्वर्या से जब कहा गया कि वह सबसे अच्छी बातें सीख रही हैं, क्योंकि वो हमेशा आपके साथ रहती हैं। ऐश्वर्या ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, वो मेरी बेटी है, मेरे साथ ही रहेगी। बता दें कि ऐश्वर्या इस अवॉर्ड शो में अपनी बेटी के साथ पहुंची थीं।

अतुल परचुरे के निधन पर अर्जुन कपूर से लेकर रेणुका शहाणे तक, इन सितारों ने दी श्रद्धांजलि

अभिनेता अतुल परचुरे का 57 साल की उम्र में 14 अक्तूबर निधन हो गया। अतुल पिछले कुछ सालों से कैंसर से जंग लड़ रहे थे। अतुल का अंतिम संस्कार आज यानी 15 अक्तूबर को 11 बजे शिवाजी पार्क पर होगा। अतुल के निधन पर कई दिग्गज बॉलीवुड सितारों ने श्रद्धांजलि दी है। अतुल को बॉलीवुड के कई बड़े सितारों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए श्रद्धांजलि दी है। अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अतुल परचुरे को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मुझे कभी उनके साथ काम करने का मौका नहीं मिला। मुझे हमेशा उनके किरदार पसंद आते थे। वह की सालों से कैंसर से जंग लड़ रहे थे। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। अभिनेत्री सुप्रिया पिलगांवकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अतुल परचुरे को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने लिखा, प्रिय मित्र ऐसा नहीं होना चाहिए था। तुमने लड़ाई लड़ी। तुमने बहुत कुछ झेला भी। मैं तुम्हें हमेशा याद करूंगी। तुम्हारी वो मुस्कान हमेशा याद आएगी। भगवान तुम्हारी आत्मा को शांति दे और परिवार को दुख सहने की शक्ति दे। अभिनेता सचिन पिलगांवकर ने भी अतुल को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा, अतुल परचुरे जैसा कलाकार और दोस्त को खोना बहुत ही दुखदाई है। मैं उसे कभी भूल नहीं पाउंगा। भावपूर्ण श्रद्धांजलि। महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने अतुल परचुरे को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा, 'हमेशा अंतर्मुखी रहने वाले क्लासिक अभिनेता अतुल परचुरे का असामयिक निधन दुखद है। अतुल परचुरे ने अपने शानदार अभिनय करियर की शुरुआत बच्चों के थिएटर से की थी। उन्होंने नाटक, फिल्म और धारावाहिक तीनों ही क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने मराठी और हिंदी फिल्मों में भी बेहतरीन किरदार निभाए हैं। उनके जाने से मराठी ने एक क्लासिक अभिनेता खो दिया है। इस क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती। परचुरे के हजारों प्रशंसकों में से एक होने के नाते मैं परिवार के दुख में शामिल हूं। भगवान उन्हें यह दुख सहने की शक्ति दे। राज्य सरकार की ओर से मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।' अभिनेत्री सुजैन बर्नर्ट ने इंस्टाग्राम पर अतुल को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा, हमारे दोस्त को आखिरी प्रणाम और श्रद्धांजलि। अखिल और मैंने अतुल के साथ काम किया है। वह अपने आप में एक बड़ा सितारा है। अच्छे, विचारशील और बहुत अच्छे अभिनेता...ओम शांति।

जिगरी दोस्त की अंतिम यात्रा में क्यों शामिल नहीं हुए शाहरुख खान? यह बताई गई वजह

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाबा सिद्दिकी का अंतिम संस्कार रविवार को मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। सलमान खान से लेकर तमाम बॉलीवुड सितारे बाबा की अंतिम यात्रा में शामिल हुए, लेकिन शाहरुख खान कहीं नजर नहीं आए। शाहरुख खान भी बाबा सिद्दीकी के करीबी दोस्त रहे और उनकी इफ्तार पार्टी में शामिल होते रहे। लेकिन, अंतिम संस्कार में शाहरुख कहीं नजर नहीं आए, ऐसे में सवाल है कि आखिर दोस्त को अंतिम विदाई देने किंग खान क्यों नहीं आए? इसे लेकर एक बड़ी वजह सामने आई है। बाबा सिद्दीकी का बॉलीवुड से भी खास कनेक्शन था। उनकी इफ्तार पार्टी में सलमान खान से लेकर शाहरुख खान, संजय दत्त तमाम सितारे आते थे। बाबा ने ही सलमान खान और शाहरुख खान के बीच बढ़ी दूरियां कम कराई थी और दोनों की दोबारा दोस्ती कराई। बाबा की हत्या से जहां सलमान खान सदमे में हैं और बाबा की अंतिम यात्रा में शामिल हुआ, वहीं शाहरुख खान कहीं नजर नहीं आए। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान इस पूरे मामले से दूरी बनाए रखना चाहते हैं। दरअसल, बाबा सिद्दीकी की हत्या की खबर सामने आने के बाद से शाहरुख खान की चुप्पी और शोकाकुल परिवार से उनका मिलने न आते देखना लोगों को हजम नहीं हो रहा है। हर कोई सवाल कर रहा है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान किसी राजनीतिक पचड़े में नहीं पड़ना चाहते हैं और इसलिए इस मामले से दूरी बनाएं हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में तो यह भी बताया जा रहा है कि इस बारे में शाहरुख खान की टीम से कई बार संपर्क किया गया है, लेकिन इस पूरे मामले पर उन्होंने चुप रहने का फैसला लिया है। बाबा सिद्दीकी के मर्डर की खबर सुनते ही संजय दत्त से लेकर शिल्पा शेट्टी तमाम सितारे उनके अंतिम दर्शन करने पहुंचे। सलमान खान को जैसे ही बाबा सिद्दीकी के निधन की सूचना मिली, उन्होंने तुरंत बिग बॉस की शूटिंग रोक दी और इसके बाद भी उन्होंने अपने सभी कार्यक्रम फिलहाल रद्द कर दिए हैं।

मेट्रो में भजन और जय श्रीराम के नारे लगाने पर पूजा भट्ट ने लगाई फटकार, बोलीं- इजाजत किसने दी

अभिनेत्री पूजा भट्ट अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इन दिनों काफी चर्चा में हैं। दरअसल, एक वीडियो वायरल हो रहा है, इसमें मेट्रो में नवरात्रि के दौरान गाना गाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में लोग त्योहार के लिए पारंपरिक परिधान पहने हुए हैं। मेट्रो में सीट पर और नीचे बैठकर जोर जोर से गाने गाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में लोग भारत का बच्चा बच्चा जय श्री राम बोलेगा गाना गाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को लेकर पूजा भट्ट ने भी अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से इस वीडियो को लेकर अपने विचार साझा किए। पूजा भट्ट ने कहा कि ऐसे सार्वजनिक स्थान पर इसकी इजाजत किसने दी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर हम कुछ सामान्य से नियम नहीं फॉलो कर सकते तो सही मायने में नियम और कानून माना जाएगा, इसकी कोई गुंजाइश नहीं है। राजनीतिक पार्टियों के जो होर्डिंग्स मेट्रो के पास लगे हैं, धीरे-धीरे वह पार्टी जोन में बदल जाएंगे। बीच सड़क लोग जब चाहेंगे तब पटाखे जलाएंगे। इससे पहले पूजा भट्ट के फेक अकाउंट को लेकर चर्चा हो रही थी।

पूजा ने इस दौरान पोस्ट कर कहा था, पीछा करने वाले सतर्क लोग! यह व्यक्ति इंस्टाग्राम पर मेरे सभी फॉलोअर्स को संदेश भेज रहा है, खासकर उन लोगों को जिनके पास पहुंच हासिल करने के लिए निजी खाते हैं। इसलिए कृपया इसे नजरअंदाज करें या अगर वे उत्पीड़न जारी रखते हैं तो रिपोर्ट करें। इस संदेश के बाद भी पूजा को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

विधु विनोद चोपड़ा ने की थी जब निर्देशक बनने की बात, उनके पापा ने मार दिया था थप्पड़

निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा को उनकी शानदार फिल्मों और निर्देशन के कारण जाना जाता है। हाल ही में निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा ने बताया कि जब उन्होंने अपने पिता से निर्देशक बनने की बात कही थी, तब वह बहुत नाराज हो गए थे। विधु विनोद के पिता ने उन्हें इस बात को सुनने के बाद थप्पड़ मार दिया था। उनके पापा ने कहा मुंबई में अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक स्थिरता का आवश्यकता होती है। एक शो के दौरान विधु विनोद चोपड़ा ने कहा, शुरुआती दिनों की याद को याद करते हुए निर्देशक ने बताया कि जब उन्होंने अपने पापा को बताया कि वह एक निर्देशक बनना चाहते हैं। ऐसे में विधु विनोद चोपड़ा के पिता जी ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था। साथ ही उन्होंने दुनिया की कड़वी सच्चाई के बारे में बताया था। उन्हें साफ कहा था कि मुंबई में रहना बहुत मुश्किल होता है। विधु विनोद चोपड़ा

ने बताया, कश्मीर में रहने के दौरान उन्होंने कहा, पाजी मैं एक फिल्म बनाना चाहता हूं। उन्होंने मुझे थप्पड़ मार दिया था। बोले कि भूखा मर जाएगा मुंबई में। विधु विनोद चोपड़ा इसके बाद वहां से चले गए। वह अपने पिता जी को इस बारे में और कुछ नहीं कह पाए थे। कश्मीर विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र ऑनर्स में प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि ने उन्हें भारत सरकार से 250 रुपये की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति दिलाई, जो उनके सपनों की दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम था। इसके बाद विधु ने नेशनल फिल्म स्कूल में जाने के लिए व्यवस्था की। 1979 में उन्होंने पापा से फिर बात की, जब उन्हें ऑस्कर के लिए नॉमिनेट किया गया। इस पर उनके पापा ने पूछा किया इसके लिए रुपये मिलेंगे।

गजनी 2 का एलान करेंगे आमिर खान! लोकेश कनगराज के साथ सुपरहीरो फिल्म में भी करने जा रहे काम?

भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक आमिर खान बॉक्स ऑफिस पर लगातार हिट फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। फिलहाल अभिनेता 2025 में रिलीज होने वाली अपनी आगामी फिल्म सितारे जमीन पर की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा वह अपनी भविष्य की परियोजनाओं को मजबूत करने के लिए कई फिल्म निर्माताओं के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। इन चर्चाओं के बीच उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक गजनी की सीक्वल गजनी 2 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट जानकर मिस्टर परफेक्शनिस्ट के प्रशंसकों का खुश होना लाजमी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान फिलहाल निर्माता अल्लू अरविंद के साथ गजनी को फ्रेंचाइजी में बदलने के बारे में चर्चा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अल्लू अरविंद, मधु मंटेना और पूरी टीम को गजनी 2 के लिए एक योग्य विषय के साथ आने के लिए कहा है। अगर यह तय हो जाता है तो वह भारतीय सिनेमा की पहली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की सीक्वल बनाकर इतिहास रच सकते हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, टीम सक्रिय रूप से विचारों पर मंथन कर रही है और आमिर पहले ड्राफ्ट का इंतजार कर रहे हैं।

आमिर खान वर्तमान में अपनी अगली फिल्म

सितारे जमीन पर में व्यस्त हैं और 2025 में अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर सकते हैं। कथित तौर पर सुपरस्टार एक सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जिस विचार ने उन दोनों को उत्साहित किया है वह एक सुपरहीरो फिल्म है और लोकेश अब अपने लेखकों की टीम के साथ इसे विकसित करना चाह रहे हैं। खबरें हैं कि अगर आमिर खान स्क्रिप्ट को मंजूरी दे देते हैं, तो सुपरहीरो फिल्म का निर्माण 2026 में शुरू हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह विचार फिलहाल विकास के चरण में है और लोकेश को भी आमिर के साथ चीजों को अगले स्तर पर ले जाने का दायित्व सौंपा गया है। फिलहाल रजनीकांत कैथी 2 से पहले रजनीकांत अभिनीत कुली की शूटिंग कर रहे हैं अपने संभावित सहयोग के अलावा, आमिर खान कनगराज की फिल्म कुली में एक कैमियो में भी दिखाई देंगे। विशेष उपस्थिति का निर्णय तब लिया गया जब वे सुपरहीरो फिल्म पर चर्चा कर रहे थे। हालांकि, इन रिपोर्ट्स पर अभी आधिकारिक मुहर लगना बाकी है।

एलजी के निर्देश पर हुई फाइल प्रोसेसिंग में देरी? दिल्ली में कचरा प्रबंधन पर सौरभ भारद्वाज का आरोप

नई दिल्ली ।

दिल्ली सरकार और एलजी के बीच तकरार कोई नई बात नहीं है. एक बार फिर दिल्ली के एलजी और शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज कचरा प्रबंधन के मसले पर आमने-सामने आ गए हैं. नया मसला एमसीडी के ठोस कचरा प्रबंधन के पांच प्रोजेक्ट्स के लिए एमसीडी कमिश्नर के वित्तीय अधिकारों को 5 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ाने वाली फाइल को मंजूरी देने से जुड़ा है. इस मसले पर एलजी ऑफिस की तरफ से कहा जा रहा है कि दिल्ली सरकार शहरी विकास मंत्रालय की तरफ से इसे अटकाकर कचरा प्रबंधन में देरी की जा रही है. दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इस मुद्दे को लेकर एलजी पर जमकर हमला बोला है. भारद्वाज ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. एलजी ने अपने संवैधानिक पद की गरिमा इतनी गिरा दी है. उन्हें चुनी हुई सरकार के मंत्रियों को बदनाम करने के लिए झूठी कहानियां गढ़ने की आदत हो गई है. एलजी ऑफिस अच्छी तरह से जानता है कि उनके झूठ को चुनी हुई सरकार एक घंटे के भीतर उजागर कर देगी. इसलिए, उन्होंने देर रात झूठी और दुर्भावनापूर्ण खबरें फैलाना शुरू कर दिया है. ताकि मंत्री जिनके कंधों पर अपने निर्वाचन क्षेत्रों की बड़ी जिम्मेदारियां हैं, वह एलजी कार्यालय के दुष्प्रचार का तत्काल जवाब न दे सकें. सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एलजी ऑफिस इतना हताश हो गया है कि वह एलजी के चहेते एमसीडी कमिश्नर को बगैर किसी नियंत्रण के असीमित शक्तियां दे देना चाहता था. निर्वाचित सरकार एमसीडी सदन की मंजूरी के अधीन नगर निगम की वित्तीय शक्तियों को 5 करोड़ रुपए से अधिक बढ़ाने को तैयार थी. यह समझ से परे है कि एलजी एमसीडी कमिश्नर पर किसी भी तरह का नियंत्रण और संतुलन क्यों नहीं चाहते? उन्होंने कहा कि 6 सितंबर 2024 को नगर निगम के ठोस कचरा प्रबंधन के पांच प्रोजेक्ट्स के लिए एमसीडी कमिश्नर के वित्तीय अधिकारों को 5 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ाने वाली फाइल मिली थी. मंत्रालय ने उसी दिन अपनी मंजूरी दे दी थी. उस पर तारीख की मोहर भी लगी हुई है. मोहर में साफ तौर पर दिखाया गया है कि फाइल 6 सितंबर 2024 को प्राप्त हुई और उसी दिन मंत्री ने इसे मंजूर कर दिया था. अब एलजी को बताना चाहिए कि सीधे तौर पर उनके अधीन काम करने वाले अधिकारी, शहरी विकास मंत्री की मंजूरी मिलने के बाद भी इस मामले को एक महीने से अधिक समय तक क्यों टालते रहे. मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह भी रिकॉर्ड में है कि इन फाइलों को केवल सुप्रीम कोर्ट की वजह से ही मंजूरी दी गई है. वरना ये अधिकारी इन फाइलों को भी लटकाए रखते. एलजी को सार्वजनिक रूप से बताना चाहिए कि वह उन अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने 6 सितंबर 2024 को उनकी मंजूरी देने के बावजूद फाइल की प्रोसेसिंग में देरी की.

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर देवेंद्र यादव का सवाल, गोपाल राय क्यों नहीं बताते इसकी असली की वजह?

नई दिल्ली । दिल्ली में वायु प्रदूषण में बढ़ोतरी के साथ ही सियासी दलों के बीच इसको लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी शुरू हो गया है. दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा द्वारा इस मसले पर दिल्ली सरकार पर हमला बोलने के बाद अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय से पूछा है कि आप बार-बार प्र?तिबंध लगाने की बात न कर, ये बताएं कि दिल्ली में प्रदूषण क्यों बढ़ रहा है? दिल्ली सरकार ने 11 वर्षों में इसे नियंत्रित करने को लेकर क्या किया? दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली के वायु प्रदूषण के वास्तविक कारणों पर दिल्ली के मंत्री गोपाल राय चुप हैं. आम आदमी पार्टी प्रदूषण नियंत्रण करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है. देवेन्द्र यादव के मुताबिक आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने प्रदूषण रोकथाम के लिए कोई ठोस कार्यवाही अभी तक नही कर पाई है. गोपाल राय ने पिछले महीने प्रदूषण रोकथाम के विंटर एक्शन प्लान में जब पटाखों की बिक्री और चलाने की रोकथाम का निर्णय 14 सूत्री और 21 सूत्री कार्यक्रम में लिया था, फिर नए सिरे से पटाखों पर रोकथाम की घोषणा कर दिल्ली सरकार प्रदूषण रोकने का काम करने की बजाय प्रदूषण रोकथाम की बार-बार घोषणा कर अपने झूठ को सही साबित करने की कोशिश कर रही है. देवेंद्र यादव ने कहा कि पटाखों के निर्माण, भंडारण, चलाने और बिक्री का आदेश एनसीटी दिल्ली में 1 जनवरी, 2025 तक तुरंत प्रभाव से जारी होगा. यह बेशक दिल्ली में प्रदूषण को रोकने लिए कारगर कदम हैं. परंतु अरविंद केजरीवाल सहित पर्यावरण मंत्री गोपाल राय दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के लिए पंजाब में जलाई जा रही पराली को कारक क्यों नहीं मानते? जबकि हरियाणा सहित एनसीटी क्षेत्रों को दिल्ली में प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं.

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट के टिकटों की कालाबाजरी, गिरोह का भंडाफोड़, आरोपी अरेस्ट

नई दिल्ली । दिल्ली पुसिल ने पंजाबी सिंगर दलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट की फर्जी टिकट बेचने वाले गिरोह का मंगलवार (15 अक्टूबर) को भंडाफोड़ किया. पुलिस ने इस मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया है. आरोपी पर कॉन्सर्ट का टिकट ज्यादा दामों पर बेचने का आरोप है. दरअसल, दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी कि दलजीत दोसांझ के दिल्ली में प्रस्तावित शो का टिकट कुछ लोग कालाबाजारी के जरिए बेच रहे हैं. पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया. बता दें कि दलजीत रोसांझ 26 और 27 सितंबर को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में एक शो करने वाले हैं. दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में अपना कॉन्सर्ट अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में करने के बाद पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ देश के कई शहरों में कॉन्सर्ट करेंगे. तीन नवंबर को दिलजीत राजस्थान के जयपुर में शो करेंगे. उनके जयपुर शो के टिकट भी काफी पहले बिक चुके हैं. उसके बाद उनका शो 15 नवंबर 2024 को हैदराबाद में होगा. हैदराबाद शो के दो दिन बाद वह अहमदाबाद और 22 नवंबर को लखनऊ में भी कॉन्सर्ट करेंगे. लखनऊ के बाद 24 और 30 नवंबर को उड़ता पंजाब गायक क्रमशः पुणे और कोलकाता के शो में शामिल होंगे. उनके अन्य चार म्यूजिक कॉन्सर्ट इस साल दिसंबर महीने में बेंगलुरु, इंदौर, चंडीगढ़ और गुवाहाटी में आयोजित किए जाएंगे. बता दें कि पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में बिक चुके शो में परफॉर्म कर चुके हैं. विदेशों में शो करने के बाद अब वह सुपरहिट दिल-लुमिनाती टूर को दिल्ली सहित देश के 10 प्रमुख शहरों के लिए लेकर आए हैं. दिलजीत दोसांझ सिंगर, अभिनेता और फिल्म निर्माता हैं. वह पंजाबी और हिंदी सिनेमा में काम करते हैं.

दूसरे धर्म से जुड़े होने पर भी पटाखों पर लगते प्रतिबंध? दिल्ली बीजेपी नेता का आप सरकार से सवाल

नई दिल्ली । दिल्ली सहित देश भर में त्योहारी सीजन का दौर जारी है. दशहरा पर्व समाप्त होते ही लोग अब दीवाली की तैयारियों में जुट गए हैं. रंग-रोगन और साफ-सफाई के साथ लोगों ने खरीदरियां भी लोगों ने शुरू दी है.

इस बीच दिल्ली सरकार ने हर बार की तरह इस बार भी दीवाली के मौके पर पटाखों के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है. दिल्ली सरकार इस फैसले पर बीजेपी नेता प्रवीण शंकर ने सवाल उठाए हैं. उन्होंने दिल्ली सरकार से पूछा है कि क्या दीवाली दूसरे धर्म से जुड़े पर्व होते, तब भी इस पर प्रतिबंध लगाए जाते? उन्होंने कहा है कि दिल्ली सरकार का ये फैसला पूरी तरह से गलत है.

आप सरकार के इस आदेश पर दिल्ली बीजेपी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि आतिशी मार्लेना सरकार द्वारा बिना किसी वैज्ञानिक रिसर्च को सामने रखे, वर्ष दर वर्ष पटाखों पर प्रतिबंध लगाना निंदनीय है. उन्होंने कहा कि बीजेपी विंटर प्रदूषण के दो बड़े कारणों पंजाब में पराली जलने एवं दिल्ली में धूल मिट्टी के विरूद्ध सख्त कदम उठाने में दिल्ली सरकार के साथ है, लेकिन महज तीन से चा-घंटे पटाखे जलने से ही सारा प्रदूषण बढ़ता है, यह स्वीकारने को हमारी पार्टी तैयार नहीं है.

प्रवीण शंकर कपूर का कहना है कि वैज्ञानिक रिपोर्ट पराली एवं धूल मिट्टी को ही प्रदूषण का कारण मानती है. दीवाली की रात जलने वाले पटाखों से विंटर प्रदूषण बढ़ता है, ऐसी कोई रिपोर्ट आज तक दिल्ली सरकार ने कभी नहीं पेश की.

दिल्ली में ठंड की दस्तक के साथ बिगड़ी आबोहवा, इस सीजन की सबसे ठंडी सुबह रही आज

नई दिल्ली। लगातार बदल रहे मौसम के बीच दिल्ली में अब सुबह और रात के समय ठंड का अहसास बढ़ने लगा है। एसी और कूलर भी बंद होने लगे हैं। आसमान साफ रहने से न्यूनतम तापमान में भी कमी आ रही है। इसी क्रम में मंगलवार को दिल्ली में इस सीजन की सबसे ठंडी सुबह रही। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में दिन के तापमान में भी गिरावट आएगी। आज यानी मंगलवार को भी दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सुबह से ही तेज चमकदार सूरज निकल गया है। दिन चढ़ने के साथ साथ धूप भी तीखी होती जाएगी। हालांकि आंशिक रूप से बादल छाए रहने का भी अनुमान जताया गया है। आज का न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 17.4 डिग्री सेल्सियस रहा है, जो इस सीजन का सबसे कम है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अभी अगले तीन-चार दिन तक आसमान साफ ही रहेगा। इसके चलते न्यूनतम तापमान में गिरावट बनी रहेगी। धीरे-धीरे अधिकतम तापमान में भी गिरावट आएगी। वहीं, दिल्ली की हवा फिलहाल खराब ही चल रही है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक मंगलवार सुबह नौ बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 207 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो दिनों के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक में हल्की बढ़ोतरी होने के आसार हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आप सरकार पर 10 वर्षों के शासन में भी प्रदूषण नियंत्रण में नाकाम रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बेशक पटाखों पर नियंत्रण दिल्ली में प्रदूषण रोकने लिए कारगर कदम है, लेकिन पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सहित पर्यावरण मंत्री गोपाल राय दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के लिए पंजाब में जलाई जा रही पराली को कारक क्यों नहीं मानते जबकि हरियाणा सहित एनसीआर क्षेत्रों को दिल्ली में प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं? यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने नगर निगम चुनाव से पहले और निगम की सत्ता में आने के बाद दिल्ली में प्रदूषण के सबसे बड़े कारण तीनों लैंडफिल खत्म करने का वादा किया था। मंत्री कैलाश गहलोत ने तो बाकायदा विधानसभा में बयान दिया था कि दिसंबर 2023 तक ओखला लैंडफिल, मार्च 2024 तक भलस्वा लैंडफिल तथा दिसंबर, 2024 तक गाजीपुर लैंडफिल को खत्म कर देंगे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। राजधानी में जल और वायु दोनों प्रदूषण चिंताजनक है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में आड-इवन, रेड लाइट आन-गाडी आफ, स्मॉग टावर, सड़कों पर गाड़ियों द्वारा पानी छिड़काव जैसे अन्य उपाय करने के बावजूद दिल्ली सरकार प्रदूषण नियंत्रण करने में नाकाम साबित रही है।

SANT RAVIDAS COMMUNICATION
PRINTERS & ADVERTISERS
प्रचार-प्रसार नही तो व्यापार नही
हिन्दी, इंग्लिश समाचार-पत्रो में
कोर्ट/पब्लिक नोटिस, गुमशुदा, शुभकामनाएँ, श्रद्धांजली, अपील, खोया-पाया, बेदखली नामा, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, जन्मदिन, शुभविवाह व अन्य क्लासीफाइड विज्ञापन प्रकाशित/छपवाने के लिए संपर्क करें:-
FLAX & ALL PRINTING WORKS
फ्लैक्स बोर्ड, न्यूजपेपर, मैगजिन, पोस्टर, बेनर, हैड बिल व शादी कार्ड व अन्य सभी प्रकार कि प्रिंटिग करवाने के लिए संपर्क करे।
विज्ञापन, साईन बोर्ड, पोल बोर्ड, ऑटो रिक्शा फ्लैक्स, राजनैतिक प्रचार-प्रसार, टीवी चैनलो, यू-ट्यूब व अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
Add: B-2 Block H.No. 444, Ground Floor, Near by buddh temple, Sultanpuri, Delhi-86
Mo. 9582670662, E-Mail: santravidascommunication@gmail.com

पानीपत में यमुना में डूबने से 2 युवकों की मौत

पानीपत। हरियाणा के पानीपत के सनौली में यमुना में सोमवार दोपहर को बड़ा हादसा हो गया। सोमवार दोपहर को यमुना में स्नान करते हुए हनुमान सभा के पांच युवक डूब गये। हालांकि गोताखोरों ने तीन युवकों को तो सकुशल बाहर निकाल लिया गया पर बाकि दो के शव करीब साढे पांच घंटे बाद शाम को मिले है, जिनका आज पोस्टमार्टम करवाया गया। जानकारी के अनुसार पानीपत शहर से हनुमान सभा के 20 से ज्यादा युवक कई वाहनों में सवार होकर सोमवार दोपहर को यमुना में स्नान करने के लिए पहुंचे। सभी युवक दोपहर को करीब 12.30 बजे यमुना में स्नान कर रहे थे तो वार्ड-11, पुरानी सब्जी मंडी का 12 वर्षीय अमन डूबने लगा तो जाटल रोड के 21 वर्षीय साहिल ने उसको बचाने का प्रयास किया। हालांकि साहिल भी यमुना के गहरे पानी में डूबने लगा तो सुरेश, बलवान व महेश भी उन दोनों को बचाने के लिए गहरे पानी की तरफ चले गए और वे तीनों भी गहरे पानी में डूबने लगे। उनके साथियों ने शोर मचाया तो यमुना घाट पर मौजूद यूपी के गोताखोर साजिद, दिलशाद, बिल्लू व नौशाद आदि ने तीन युवकों को तो सकुशल बाहर निकाल लिया, लेकिन साहिल व अमन गहरे पानी में डुब गए। एक युवक व एक किशोर के डूबने की सूचना मिलने पर यूपी व हरियाणा पुलिस मौके पर पहुंची। पानीपत सिंचाई विभाग के गोताखोर राजकुमार की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। उसके उपरांत यूपी व पानीपत के गोताखोरों की टीम ने यमुना में सर्च अभियान चलाया और करीब साढ़े पांच घंटे बाद करीब 6 बजे यमुना में साहिल व अमन के शव बरामद किए गए। वहीं मृतक के पिता ने गोताखोरों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोटा कर 50000रुपए की डिमांड करते रहे, लेकिन उनके बच्चों को बाहर नहीं निकला। जब पैसों की बातचीत हो गई तब उन्होंने 5 मिनट के अंदर दोनों के शव बाहर निकाल दिए।

हिसार के बलिदानी का 1.60 करोड़ में पिता ने बनवाया स्मारक, हेलिकॉप्टर क्रैश में गंवाई थी जान

पंचकूला।

बलिदानी मेजर अनुज राजपूत के माता-पिता ने अपने स्तर पर 1.60 करोड़ रुपये खर्च कर स्मारक बनवाकर बेटे से जुड़ी स्मृतियों को सदा के लिए अमर कर दिया। हिसार निवासी अनुज राजपूत की सात फीट ऊंची प्रतिमा के सामने लहराता 100 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज हर किसी को आकर्षित कर रहा है। सेक्टर-10 स्थित चौक के पास बने इस स्मारक के लिए नगर निगम पंचकूला की ओर से निशुल्क जमीन उपलब्ध करवाई गई। माता-पिता ने बेटे के बलिदान के बाद सरकार की ओर से जो राशि मिली, वह और अपने निजी फंड इस स्मारक पर लगा दिए। स्मारक पर शाम को लोगों की भीड़ रहती है। बलिदान होने से डेढ़ महीना पहले अनुज की सगाई हुई थी। 18 सितंबर को जन्मदिन था, लेकिन दो दिन बाद ही 21 सितंबर 2021 को जम्मू-कश्मीर के डोडा-किश्तवाड़ घाटी में ऑपरेशन रक्षक के दौरान उनका हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था।

माता-पिता की इकलौती संतान थे अनुज

अनुज राजपूत पिता कुलवंश सिंह और माता ऊषा देवी की इकलौती संतान थे। अनुज राजपूत के बलिदान को याद रखने और युवाओं को उनसे प्रेरणा मिले, इसके लिए माता पिता ने स्मारक का निर्माण करवाया है। स्मारक के निर्माण को लेकर बलिदानी मेजर अनुज के माता-पिता की इच्छा थी कि वह उनके स्मारक का निर्माण खुद की लागत से करवाए, इसलिए उन्होंने सरकार से निर्माण के लिए राशि नहीं ली।

हिसार जिले के डोभी गांव का रहने वाला है परिवार

बलिदानी मेजर अनुज राजपूत का परिवार मूल रूप से हरियाणा के हिसार जिले के गांव डोभी का रहने वाला है। यह परिवार पिछले कई वर्षों से पंचकूला के सेक्टर-20 में रहता है। अनुज राजपूत की शुरुआत पढ़ाई सेंट जॉन्स हाई स्कूल, चंडीगढ़ में हुई थी। इस स्कूल में बच्चों के लिए एनसीसी की व्यवस्था नहीं थी। अनुज राजपूत ने स्कूल प्रबंधन से इस बारे में कई बार बातचीत की, जिसके बाद एनसीसी विंग शुरू हो गई।

अनुज के नाम से शुरू की गई स्कॉलरशिप

अनुज के माता-पिता ने अब इस स्कूल में बेस्ट एनसीसी ट्रॉफी का शुभारंभ किया है। साथ ही 12वीं कक्षा के तीन संकायों के लिए छात्रवृत्ति भी शुरू की है। अनुज राजपूत की प्रतिमा इस स्कूल में भी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त सेक्टर -20 संस्कृति माडल स्कूल में भी 10वीं और 12वीं कक्षा के बच्चों के लिए अनुज राजपूत के नाम से स्कॉलरशिप शुरू की गई है।

18 तारीख को होगी कांग्रेस विधायक दल की बैठक, चुना जाएगा विधायक दल का नेता

चंडीगढ़ । हरियाणा में कांग्रेस विधायक दल की बैठक18 अक्टूबर को हो सकती है। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष भी बदला जा सकता है। इस रेस मे अशोक अरोड़ा,चंद्र मोहन, गीता भुक्कल में से किसी की भी लॉटरी निकल सकती है। एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हरियाणा की सत्ता में वापसी का सपना टूट जाने के बाद कांग्रेस हाई कमान भी पार्टी की प्रदेश इकाई में जल्द ही बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में जुट गया है। कांग्रेस का 2005 का रिकॉर्ड तोड़ने का दवा करने वाले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान और भूपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में हुए इस चुनाव में कांग्रेस को केवल 37 सीट ही मिलल पाई है। पार्टी हाई कमान की ओर से भी इस बार एक दशक के बाद हरियाणा की सत्ता में वापसी की पूरी उम्मीद जताई जा रही थी। यहीं कारण है कि टिकट वितरण में भी हाई कमान ने भूपेंद्र हुड्डा और उदयभान की पसंद का अधिक ध्यान रखा था। अब हरियाणा की सत्ता हाथ से जाने के बाद कांग्रेस में प्रदेश स्तर पर कई प्रकार का बड़ा फेरबदल होने की अटकलें हैं। राजनीतिक जानकारों और कांग्रेस से जुड़े सूत्रों की माने तो इस बार कांग्रेस पार्टी की ओर से नेता प्रतिपक्ष का पद भूपेंद्र हुड्डा की बजाए किसी अन्य नेता को दिया जा सकता है। ऐसे में राहुल और प्रियंका गांधी की ओर से कांग्रेस के चुने गए विधायकों में उस नेता की पड़ताल भी शुरू कर दी गई है। चर्चा है कि थानेसर सीट से विधानसभा चुनाव जीते अशोक अरोड़ा को कांग्रेस आने वाले दिनों में नेता प्रतिपक्ष बना सकती है। अशोक अरोड़ा के नाम पर हुड्डा परिवार को भी आपत्ति नहीं होगी। बता दें कि अशोक अरोड़ा जब इनेलो छोड़कर कांग्रेस में आए तो उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नेतृत्व स्वीकार किया और आज तक वह कांग्रेस की गुटबाजी में हुड्डा के साथ हैं। पंजाबी चेहरा होने के कारण अशोक अरोड़ा को यह अहमियत दी जा सकती है। अशोक अरोड़ा अतीत में इनेलो के भी प्रदेशाध्यक्ष रहे है और पूरे हरियाणा मे इनकी पकड़ है। इसके अलावा हरियाणा में पूर्व मंत्री और विधानसभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

प्रेमिका निकली प्रेमी के खून की प्यासी! हत्या करवाने के लिए कराई फायरिंग

पलवल। प्रेमिका ने अपने प्रेमी की हत्या करवाने के लिए बदमाशों को भेजकर फायरिंग करवाई। फायरिंग में युवक बाल-बाल बच गया। चांदहट थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। चांदहट थाना प्रभारी मलखान सिंह के अनुसार, मामले में चांदहट के रहने वाले कुलदीप ने दी शिकायत में कहा है कि वह 14 अक्टूबर को गांव में ही स्थित जिम गया था। वहां से अपने गांव के दो दोस्तों के साथ बाइक से पलवल शहर जा रहा था। रास्ते में पलवल-अलीगढ़ मांग पर केजीपी फ्लाई ओवर के निकट पीछे से एक कार में चार युवक सवार होकर आए और उनकी बाइक के आगे गाड़ी लगाकर रोक लिया। आरोपियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। आरोपियों ने उनके ऊपर करीब पांच-छह राउंड फायर किए। फायरिंग होती देख उन्होंने अपनी बाइक वापस मोड दी। आरोपी कार को लेकर पलवल की तरफ भाग गए। उन्होंने कार का नंबर देख लिया था। इस वारदात की सूचना उन्होंने तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई, पुलिस ने मौके से तीन खोल बरामद किए। शिकायत में आरोप लगाया है कि उसे शक है कि यह वारदात बुलंदशहर (यूपी) की रहने वाली उसकी प्रेमिका ने कराई है, क्योंकि उसने उसे गोली मरवाने की धमकी दी थी। पीड़ित ने गाड़ी नंबर के आधार पर आरोपियों का सुराग लगाने की गुहार लगाई है, ताकि पता चल सके कि उस पर गोली किसने और क्यों चलाई। पलवल में शहर थाना अंतर्गत विवाहिता

के साथ छेड़छाड़ की गई। विवाहिता के विरोध करने पर उसे जान से मारने का प्रयास भी किया गया। शहर थाना पुलिस ने महिला के पति की शिकायत पर आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर थाना प्रभारी रेणू शेखावत के अनुसार, मामले में थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी के रहने वाले व्यक्ति ने दी शिकायत में कहा है कि सुबह के करीब पांच बजे उसकी पत्नी घर पर थी। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाले अजीत उर्फ प्रदीप ने उसकी पत्नी से छेड़छाड़ की। उसकी पत्नी ने आरोपी का विरोध किया। इस पर आरोपी ने उसके साथ लोहे की राड व डंडों से मारपीट कर जान से मारने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी कई दिनों से गाली-गलौज करता था।

हरियाणा में कांग्रेस का माहौल बनाते रहे हुड्डा पिता-पुत्र, बीजेपी ने गढ़ में ही कर दिया खेल

हरियाणा डेस्क। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद जबरदस्त उत्साह से लबरेज नजर आ रही कांग्रेस को हरियाणा के चुनाव नतीजों ने सिर के बल खड़ा कर दिया है। पार्टी इस अप्रत्याशित हार को पचा नहीं पा रही। चंडीगढ़ से लेकर दिल्ली तक पार्टी में हड़कंप मचा हुआ है। पूरे चुनाव अभियान में ड्राइविंग सीट पर नजर आने वाला हुड्डा खेमा जहां ईवीएम का राग अलापने में जुटा है। वहीं विरोधी सैलजा खेमा हार की हैट्रिक के पीछे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेवार ठहरा रहा है। हरियाणा में जिस तरह कांग्रेस ने अपना पूरा प्रचार हुड्डा बाप-बेटे के ईद-गिर्द समेटे रखा। नतीजे के बाद अब दोनों की भूमिका सवालों के घेरे में है। पिछले दिनों दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर वरिष्ठ नेताओं की हुई बैठक में राहुल गांधी ने भी इस ओर संकेत करते हुए कहा था कि हरियाणा में लोगों ने निजी हित को पार्टी हित से ऊपर रखा। साफ है चुनाव से पहले जिन भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा की मीडिया में जमकर वाहवाही हो रही थी और एक नायक के रूप में उन्हें पेश किया जा रहा था, अब उनके किरदार को खलनायक की तरह देखा जाने लगा है। चुनाव नतीजों का गहनता से विश्लेषण करने पर भी पता चलता है कि दोनों कुछ ज्यादा ही अति आत्मविश्वास से लबरेज थे, जो दीपेंद्र हुड्डा बीजेपी के जीटी रोड बेल्ट में सेंध लगाने की रणनीति के तहत राहुल-प्रियंका गांधी के रोड शो कराए। उन्हीं देशवाली बेल्ट में बीजेपी ने खेल कर दिया और ऐसा तगड़ा नुकसान पहुंचाया जिसकी उन्हें उम्मीद नहीं होगी, तो चलिए आंकड़ों में समझते हैं कि पूरे हरियाणा में कांग्रेस का माहौल बनाने निकले हुड्डा बाप-बेटे के गढ़ में ही बीजेपी ने कैसे खेल कर दिया। हरियाणा में रोहतक, झज्जर और सोनीपत को देशवाली बेल्ट कहा जाता है। इन तीनों जिलों में हुड्डा परिवार का जबरदस्त प्रभाव माना जाता है। इन तीनों जिलों में कुल 14 विधानसभा सीटें आती हैं, जहां इस बार कांग्रेस महज 8 सीटें ही हासिल कर पाई। 2019 में कांग्रेस के पास यहां 12 सीटें हुआ करती थी। देशवाली बेल्ट के तीन जिलों में अगर जाट बाहुल्य जींद, दादरी और भिवानी जिलों को जोड़ दें तो ये पूरा इलाका जाटलैंड के तौर जाना जाता है। जहां कुल 25 सीटें आती हैं। इस बेल्ट में कांग्रेस पारंपरिक रूप से मजबूत रही है और उसे जमकर वोट मिलते रहे हैं। अगर आप 2014 के चुनाव का ही उदाहरण लें तो इस चुनाव में 10 साल से सत्ता में बैठी कांग्रेस महज 15 सीटें पाकर तीसरे नंबर पर खिसक गई थी, यानी कि उसके पास मुख्य विपक्षी दल का दर्जा मिलने लायक सीटें भी नहीं मिल पाई थी। दिलचस्प ये है कि पूरे हरियाणा में 15 सीटें जीतने वाली कांग्रेस को अकेले 11 सीटें इसी जाटलैंड इलाके से मिली थी। 2019 में पार्टी यहां अपने खाते में एक और सीट जोड़ने में कामयाब रही। वहीं 2024 में जब प्रदेश में कांग्रेस की हवा चलने के दावे किए जा रहे थे। पार्टी के नेता यहां तक दावा करने में जुटे थे कि हुड्डा के सीएम फेस होने के कारण इस बार पार्टी यहां क्लीन स्वीप करेगी, लेकिन जब नतीजे आए तो दावे करने वालों की पैरों तले की जमीन खिसक गई। कांग्रेस पिछले दो चुनावों में हासिल की गई सीटें भी बरकरार नहीं रख सकी और उसे तगड़ा नुकसान हुआ। वहीं पारंपरिक रूप से इस इलाके में कमजोर मानी जाने वाली बीजेपी ने अब तक का शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 सीटें हासिल कर ली, जबकि दो निर्दलीयों के खाते में गई।

हरियाणा में ब्राह्मण समाज की मांग : सुरेंद्र शर्मा बोले- विधायकों की संख्या के आधार पर मंत्री पद का हो आवंटन हो

करनाल । हरियाणा में राजनीतिक समीकरण एक नए मोड़ पर पहुंच रहे हैं, जहां जातीय समीकरणों के आधार पर मंत्री पदों के आवंटन की मांग उठ रही है। सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा बड़ौता ने भाजपा शीर्ष नेतृत्व से अपील की है कि हरियाणा सरकार के मंत्रिमंडल में ब्राह्मण विधायकों को उनकी संख्या के आधार पर मंत्री बनाया जाए। करनाल स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने हमेशा दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया है, और यही कारण था कि जब सभी राजनीतिक विशेषज्ञ यह कह रहे थे कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी, तब ब्राह्मण समाज ने भाजपा का समर्थन किया। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा ने प्रदेशाध्यक्ष समेत कई महत्वपूर्ण पद ब्राह्मण समाज को दिए, और विधानसभा चुनावों में 12 ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट दिया। उनमें से सात उम्मीदवार विजयी हुए और एक अन्य ब्राह्मण विधायक कांग्रेस से भी जीतकर विधानसभा पहुंचे।

पुलिस मुठभेड़ के बाद सेंट्रल जेल से फरार कैदी गिरफ्तार

बरेली।

सेंट्रल जेल से गत दिनो हुए फरार कैदी हरपाल आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। फरार कैदी हरपाल जिस पर एसएसपी बरेली अनुराग आर्य द्वारा फरारी के बाद गिरफ्तारी को लेकर 25000 का ईनाम घोषित किया गया था।जिसको पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। फतेहगंज पूर्वी के गांव खनी नवादा निवासी हरपाल गुरुवार को जेल के फार्म हाउस से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे एक खेत में छिपा हुआ पाया और गिरफ्तारी के दौरान उसके पैर में गोली मारी, जिससे वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हरपाल, जो हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा था, फार्म हाउस में काम करते वक्त जेल के सुरक्षा कर्मियों को

चकमा देकर भाग निकला। जेलर नीरज कुमार की शिकायत पर हरपाल और चार जेल कर्मचारियों पर मुकदमा दर्ज किया गया, जिसमें एक वार्डर अजय कुमार को निलंबित भी किया गया था। फरार होने के बाद पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित कर दिया। सोमवार को सूचना मिलने पर पुलिस ने अधलखिया के जंगल में घेराबंदी की, जहां हरपाल छिपा हुआ था और भागने की फिराक में था। मुठभेड़ के दौरान हरपाल ने गोली चलाई, लेकिन जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारकर उसे पकड़ लिया। मौके से एक बिना नंबर की बाइक भी बरामद की गई।जांच में खुलासा हुआ कि हरपाल की फरारी में उसकी पत्नी नगीना देवी और उसके दोस्त रामेंद्र पाल का हाथ था। नगीना ने अपने मायके में रहते हुए रामेंद्र से नजदीकी बढ़ाई और दोनों ने मिलकर हरपाल को जेल से भगाने की योजना बनाई। फरार होने के बाद हरपाल गन्ने के खेतों में छिप गया,जहां नगीना और रामेंद्र उसे खाना और कपड़े पहुंचाते रहे। योजना यह थी कि मामला शांत होने पर वे हैदराबाद भाग जाएंगे। पुलिस अब हरपाल की पत्नी नगीना और रामेंद्र को भी इस साजिश में आरोपी बनाने की तैयारी कर रही है।

बीकापुर विकासखंड पर ग्राम प्रधानों किया धरना प्रदर्शन

बीकापुर।

प्रधान संघ द्वारा अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को विकासखंड पर इकट्ठा होकर धरना और प्रदर्शन किया गया। प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विशाल सिंह की अगुवाई में आयोजित किए गए धरना प्रदर्शन में विकासखंड क्षेत्र के करीब चार दर्जन से अधिक ग्राम प्रधान और उनके प्रतिनिधि शामिल हुए। अपनी मांगो से संबंधित 10 सूत्रीय मांग पत्र खंड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र सिंह को दिया गया।

खंड विकास अधिकारी द्वारा अपने स्तर से समस्या का करने का आश्वासन दिया गया। ग्राम प्रधानों द्वारा 10 सूत्रीय मांग पत्र में विधायक और सांसदों की भांति पेंशन दिए जाने, शस्त्र लाइसेंस प्रदान किए जाने, वर्तमान कार्यकाल में मानदेय की बढ़ोतरी किए जाने, मनरेगा की लंबित बिलों की फीडिंग तथा कराए गए विकास कार्य के पैसे का भुगतान कराए जाने, ब्लॉक प्रमुखों को सुरक्षा प्रदान किए जाने, जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत पाइप डालने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को दुरुस्त कराए जाने जैसी अन्य कई मांगों को लेकर मंगलवार को अखिल भारतीय प्रधान संघ के आवाहन पर विकासखंड बीकापुर में प्रधानों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान नाराज प्रधानों ने ब्लॉक परिसर में तालाबंदी करके अपनी नाराजगी का इजहार किया। प्रधानों ने खंड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र सिंह के समक्ष अपनी शिकायतों को रखते हुए उसके निदान की फरियाद की। खंड विकास अधिकारी ने भी उचित स्तर तक प्रधानों की समस्याओं को ऊपर अधिकारियों तक पहुंचाने तथा यथोचित समाधान करने का आश्वासन दिया। प्रधानों ने ब्लॉक मुख्यालय के समक्ष धरना देकर जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन मे मुख्य रूप से ब्लॉक उपाध्यक्ष विजय गौड, जिला सचिव मुकुल आनंद, मोहम्मद मोबीन, मोहम्मद अशरफ, मेवालाल चौहान, सोनू सिंह, सोनू कोरी, नित्यानंद, बृज कुमार यादव, पंकज सोनी, हेमंत यादव, धर्मेंद्र मिश्रा, अमर बहादुर चौरसिया, लव कुश यादव, अखिलेश सिंह, बजरंग सिंह, बजरंग सिंह, ओम प्रकाश यादव, अजय तिवारी मोहम्मद नफीस, अवधेश मिश्रा सहित अन्य तमाम प्रधान और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विकास कार्यो में हो रही अनिमितता को लेकर सभासद ने जिलाधिकारी से की शिकायत, जांच कर कार्यवाही की मांग

फतेहगंज पश्चिमी।

रोड निर्माण कार्यो व विकास कार्यो मे हो रही अनियमितता एवं मानक अनुरूप गुणवत्ता में धांधली को लेकर सभासद ने जिलाधिकारी से शिकायत की । बताते चले कि नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी के वार्ड नंबर 7 मोहल्ला भिटौरा के सभासद अबोध कुमार सिंह के वार्ड मे इंटरलॉकिंग रोड एवं नालियों का निर्माण कराया जा रहा है। उपस्थित सभी वार्ड वासियों ने सभासद अबोध कुमार सिंह से ठेकेदार द्वारा रोड निर्माण व नाली निर्माण कार्यो मे घटिया सामग्री लगाने तथा अधूरे कार्य करने की शिकायत की। जिला योजना समिति के सदस्य एवं वार्ड नंबर 7 के सभासद अबोध कुमार सिंह ने अपने वार्ड में हो रहे सड़क निर्माण एवं नाली निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया तो पाया कि ठेकेदार मुन्ना लाल द्वारा विकास कार्य मानक अनरूप नही कराये जा रहे है वल्कि गुणवत्ता हीन घटिया सामग्री का प्रयोग कर निर्माण कार्य तथा आधा अधूरा कार्य करवाया जा रहा था। सभासद अबोध कुमार सिंह ने रोड निर्माण व नाली निर्माण में प्रयुक्त हो रही घटिया सामग्री का विरोध करने पर उक्त ठेकेदार ने दबंगई दिखाते हुए झगड़े पर उतारूं हो गया। तथा अपने आप को ए ग्रेट का ठेकेदार वोलते हुए जेई के निर्देशानुसार कार्य करने की बात कही । यह बात सुन जिला योजना समिति के सदस्य सभासद अबोध कुमार सिंह ने जिलाधिकारी बरेली रविंद्र कुमार को शिकायती पत्र देते हुए उक्त ठेकेदार द्वारा किये जा रहे विकास कार्यो मे भ्रष्टाचार एवं मानक अनरूप कार्य नही करने को लेकर शिकायत की गयी तथा मानक अनरूप कार्य कराने तथा जांच कर कार्यवाही की मांग की।।

प्रदेश स्तरीय 68वी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का किया गया उद्घाटन

बरेली।

आज प्रदेश स्तरीय 68वीं प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 18 मंडलों के लगभग 720 छात्र व छात्राएं के प्रतिभाग कर रही हैं। जिसमें अंडर 14, 16 और 19 बर्ष के प्रतिभागी शामिल है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओ का माह नवंबर में टूर्नामेंट कराया जायेग आ जिसमें विजयी छात्र छात्राओ को उच्च स्तरीय प्रतियोगिता मे प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम मे जिलाधिकारी बरेली रविंद्र कुमार ने कहा कि आज बरेली में 68वीं स्टेट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। जिसमें 14,16 और 19 बर्ष के कैटिगरी के छात्र छात्राए ही प्रतिभाग कर सकेंगे। जो भी छात्र छात्रा यहां पर बेहतर प्रदर्शन करेंगी उनकी एक अंडर 17 टीम बनाई जाएगी जिसकी प्रतियोगिता नवंबर में होगी।

साथ ही उन्होंने कहा कि बच्चों को मन लगाकर ध्यानपूर्वक इस खेल को खेलना चाहिए और हम लगातार बरेली में स्टेडियम को इंप्रूव कर रहे हैं । खेलो इंडिया खेलों के तहत भी स्टेडियमों को बेहतर बनाने के प्रयास

कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, डीएम रविंद्र कुमार ने किया प्रतियोगिता का उद्घाटन

किए जा रहे हैं।वहीं बरेली मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने कहा कि 68 वीं प्रदेशीय अंतरविद्यालय बॉलीबॉल प्रतियोगिता बरेली मंडल में आयोजित की जा रही है यहां 18 मंडलों के विद्यालयों के छात्र छात्राएं प्रतिभाग करेंगी आज लगभग 720 लड़के और लड़कियां बरेली आए हुए हैं। ये बॉलीबॉल खेलेंगे और जो सबसे अच्छी टीम होगी वो विजेता घोषित की जाएगी। उन्होंने बरेली के छात्रों को कहा कि क्रीड़ा के क्षेत्र में भी बहुत स्कोप है।

इस क्षेत्र में आने पर भी छात्र अपना करियर बना सकते हैं, साथ ही उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी स्टेडियम बनाए जा रहे है और ग्रामीण छात्र भी इसमें अपना करियर बना सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि खेल ही बच्चों का दबाव कम करते हैं और खेल बच्चों के बैलेंस एजुकेशन के लिए बहुत जरूरी है।

13 नवंबर को यूपी की 9 सीटो पर होगा चुनाव

अयोध्या।

यूपी में उपचुनाव की तारीख का चुनाव आयोग ने किया ऐलान पहले चरण में 13 नवंबर को यूपी की 9 सीटो पर होगा चुनाव। अयोध्या के विधानसभा मिल्कीपुर में नही होगा चुनाव। उत्तर प्रदेश में उपचुनाव की प्रक्रिया 13 नवंबर को आयोजित की जाएगी। आपको बता दें यूपी के 9 सीटों पर उपचुनाव होना है। मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर अभी चुनाव टल गया है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल नवंबर महीने में खत्म होने वाले हैं। वर्तमान में राज्य में एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली ह्ष्ट की सरकार है। वहीं झारखंड विधानसभा का कार्यकाल जनवरी महीने की शुरूआत में खत्म हो जाएगा। यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई में महागठबंधन की सरकार है।मिल्कीपुर की घोषणा हाईकोर्ट में रिट होने या दीपोत्सव के कारण नही होने की है चर्चा पी गोरखनाथ बाबा ने 2022 के चुनाव को लेकर डाली है रिट, अधिकारी मौन है।

दो ग्राम पंचायत में आयोजित हुआ ग्राम समाधान दिवस

बीकापुर।ग्राम पंचायतों में मंगलवार को रोस्टर के अनुसार आयोजित होने वाला ग्राम समाधान दिवस सिर्फ खानापूर्ति बनता जा रहा है। सभी जगह निर्धारित किए गए विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद नहीं रहते हैं। कई जगह पर तो नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी ग्राम पंचायत अधिकारी और राजस्व कर्मी भी नहीं मिलते हैं। ग्रामीणों की संख्या भी नाम मात्र को रहती है। जिलाधिकारी की पहल पर ग्रामीणों की समस्या और शिकायत का ग्राम पंचायत स्तर पर ही निस्तारण किए जाने के लिए प्रत्येक मंगलवार को रोस्टर के अनुसार निर्धारित ग्राम पंचायत में ग्राम समाधान दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को विकासखंड क्षेत्र के तोरो माफी, सराय खरगी, शिवतर, परोमा, मानापुर, सोनखरी, गोविंदपुर, मलेथू कनक, सोनबरसा मुसलमीन, असकरनपुर, जमोली खुर्द, दशरथपुर, रामनगर सहित विकासखंड क्षेत्र की 16 ग्राम पंचायतों में ग्राम समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिसके लिए अलग-अलग अधिकारी नियुक्त किए गए थे। कई जगह पर नोडल अधिकारी, राजस्व कर्मी और ग्राम पंचायत अधिकारी मौजूद नहीं रहे। ग्राम प्रधान संघ द्वारा अपनी मांगों को लेकर मंगलवार सुबह विकासखंड मुख्यालय पर प्रस्तावित धरना प्रदर्शन के चलते भी अधिकांश प्रधान धरना में शामिल होने के चलते ग्राम समाधान दिवस में मौजूद नहीं रहे। मल्थू कनक ग्राम पंचायत के पंचायत भवन पर आयोजित किए गए ग्राम समाधान दिवस में ब्लॉक प्रमुख दिनेश कुमार वर्मा, खंड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी अरुण दुबे द्वारा लोगों की शिकायत सुनी गई। इस दौरान 15 शिकायतें आई। अधिकांश शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। समाधान दिवस में प्रधान राकेश यादव और पंचायत कर्मी मौजूद रहे। तोरो माफी ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम समाधान दिवस में नोडल अधिकारी सहायक विकास अधिकारी आईएसबी बद्रीनाथ पांडे, ग्राम पंचायत अधिकारी नसीम खान, ग्राम प्रधान अहमद रजा पंचायत कर्मी मौजूद रहे। यहां सिर्फ तीन शिकायत आई। दो ग्रामीणों द्वारा प्रधानमंत्री आवास की मांग की गई और एक शिकायत हैंडपंप मरम्मत से संबंधित आई है। आवास से संबंधित शिकायत का सूची में दर्ज करके निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

सीएचसी स्टाफ नर्स की लापरवाही से पांच दिन में दो नवजात शिशु की गयी जान

सोहावल। तहसील सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल मे स्टाफ नर्स एवं डाक्टर की लापरवाही से प्रसव के दौरान होने वाली मौत का सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा। विगत डेढ वर्ष मे एक ज़च्चा की मौत के कारण दो जुडवा बच्चो के सिर मा का साया छिन जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग की जांच मे लीपापोती के कारण प्रसव डाक्टर के साथ स्टाफ नर्स के हौसला बुलंद होने का,खामियाजा पांच दिन के भीतर दो नवजात शिशु की मौत ने दो अलग अलग गांव के परिवार मे मातम की स्थित बना दी है।परिसर के अंदर दो परिवार एवं प्रसव पीडिता का रूदन की आवाज प्रभारी पर कोई असर नही डाल पाई। 7-8 की रात बरई कला निवासी मंजू पत्नी बदलू आशाबहू राधा के साथ आई। सुबह नवजात शिशु ने जन्म भी दिया। लेकिन अचानक दो घंटे बाद शिशु का आधा शरीर नीला हो गया।जिसकी जानकारी नर्स एवं डाक्टर को दी।बावजूद इसके समय पर इलाज की बात दीगर किसी बडे अस्पताल को रैफर तक नही करने से देर शाम तक उसकी मौत हो गयी।एक का जख्म भरा नही उसी बीच 13 अक्तूबर को किंठावा ड्योढी निवासी ललिता देवी को परिजनो प्रसव के लिए अस्पताल मे लाना भारी पड गया।पीडिता के पति कमलासन विश्वकर्मा का,आरोप है कि विगत 13 अक्तूबर की शाम मेरी पत्नी को प्रसव पीडा होने पर शाम को सीएचसी लेकर आया।दर्द होने के बावजूद मौजूद नर्स पुष्पा पाल प्रसव नही करा पा रही थी।हालत खराब होती देख जिलास्पताल रेफर करने की मांगकी।लेकिन दवा तथा अन्य उपकरण के नाम की पैसे की वसूली करती रही लेकिन जिलास्पताल रेफर नही किया।अचानक बच्चा मां के गर्भ से बाहर गिरा और उसकी मौत हो गयी। मौजूद स्टाफ की लापरवाही से हुई मौत हंगामा किया। दोषी करार देने के लिए मामले की लिखित शिकायत एसडीएम सोहावल एवं सीएचसी सोहावल का प्रेम चंद भारती से की।परिजन का आरोप,है कि बच्चे की हुई मौत के बाद भी इलाज मे दी जाने वाली दवाओ का प्रशेप्सन भी नही दिया जा रहा है।केंद्र पर लापरवाही का आलम यह है कि विगत एक,वर्ष पूर्व इसी केंद्र पर लापरवाही से सारंगापुर की जोडवा बच्चे का जन्म देने के बाद जच्चा की मौत हो गयी थी।जिसके लिए परिवार ने काफी हंगामा किया।मीडिया की सुर्खियो मे आने के बाद जिलास्तर की जांच मे चतुर्थ श्रेणी की कर्मी तथा नर्स को दोषी करार देते हुए तैनात प्रसव चिकित्सक को क्लीन चिट,देते हुए उक्त दोषियो का तबादला कर मामले को रफा दफा कर दिया।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला, इस टूर्नामेंट से खत्म किया इंपैक्ट प्लेयर नियम, रोहित भी कर चुके आलोचना

नई दिल्ली । आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बड़ा फैसला लिया है। बोर्ड ने घरेलू टी20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया है। सोमवार को बीसीसीआई ने इसका एलान किया। हालांकि, यह नियम आईपीएल में लागू रहेगा। इम्पैक्ट प्लेयर नियम को कुछ साल पहले सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में लागू किया गया था। इसके बाद इसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लागू किया गया। बीसीसीआई की तरफ से राज्य संघों के लिए जारी किए गए आदेश में कहा गया- कृपया ध्यान दें कि बीसीसीआई ने मौजूदा सत्र के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के प्रावधान को खत्म करने का फैसला किया है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम को शीर्ष घरेलू टी20 टूर्नामेंट से खत्म करने का बीसीसीआई का यह फैसला तब आया है जब उसने इस नियम को 2027 तक आईपीएल में बरकरार रखने के फैसला किया। इस नियम के कारण आईपीएल के बीते सत्र में 250 रन से अधिक के कई स्कोर बने हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सहित कई मौजूदा और पूर्व खिलाड़ियों ने इस नियम की आलोचना की है। रोहित ने एक पॉडकास्ट कहा था कि इससे हरफनमौला खिलाड़ियों का विकास प्रभावित होगा। सौराष्ट्र के मुख्य कोच नीरज ओडेदरा ने बीसीसीआई के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा- यह अच्छा बदलाव है। यह आईसीसी के प्रमुख टूर्नामेंटों का हिस्सा नहीं है। ऐसे में यह उन क्रिकेटरों के लिए अच्छा होगा जो घरेलू सत्र के बाद भारत के लिए खेलना चाहते हैं। इस नियम के अनुसार, हर टीम को अपनी प्लेइंग-11 के साथ चार-चार सब्सिट्यूट खिलाड़ियों के नाम भी बताने होंगे। कोई भी टीम 14 ओवर्स तक इन चार खिलाड़ियों में से किसी एक को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर किसी खिलाड़ी से रिप्लेस कर सकती है। जो भी खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम से बाहर जाएगा, वह फिर दोबारा मैदान में नहीं दिख सकेगा। बाकी बचे मैच में इम्पैक्ट प्लेयर ही दिखेगा और मैच खेलेगा। कोई भी टीम किसी भी खिलाड़ी को तय ओवरों के अंदर रिप्लेस कर सकती है। चाहे वह खिलाड़ी बैटिंग किया हो या नहीं किया हो, गेंदबाजी किया हो या नहीं किया हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अगर किसी वजह से ओवरों में कटौती की जाती है और इसे 10 से कम कर दिया जाता है, तो इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल नहीं होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में अश्विन मचाएंगे गदर! तीन विकेट लेते ही तोड़ देंगे नाथन लायन का रिकॉर्ड

बेंगलुरु । बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद अब भारतीय टीम की नजर न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 अक्तूबर से शुरू होने जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज पर है। इस दौरान भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की नजर बड़े रिकॉर्ड्स पर होगी। बता दें कि, 38 वर्षीय ने अब तक टेस्ट में 527 विकेट अपने नाम किए हैं। वह भारत के लिए सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले अनिल कुंबले (619) के बाद दूसरे गेंदबाज हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा मैच (24-28 अक्तूबर) पुणे और तीसरा मुकाबला (1-5 नवंबर) मुंबई में खेला जाएगा। इस मैच में अश्विन की नजर पांच रिकॉर्ड्स पर होगी। अश्विन ने भारत के लिए अब तक 37 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने 185 विकेट चटकाए हैं। आगामी सीरीज में तीन विकेट लेते ही वह नाथन लायन के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज स्पिनर के नाम 43 डब्ल्यूटीसी मैचों में 187 विकेट दर्ज हैं। आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अगर अश्विन 15 विकेट लेने में कामयाब होते हैं, तो वह इतिहास रच देंगे। वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में विकेटों का दोहरा शतक पूरा करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन जाएंगे। अश्विन ने भारत के लिए खेले 102 टेस्ट मैचों में अपनी घातक गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। उनके नाम इस प्रारूप में 37 बार पांच विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने इस मामले में शेन वॉर्न की बराबरी कर ली है। आगामी सीरीज में अगर वह फाइफर हासिल करने में कामयाब होते हैं तो वह ऐसा करने दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। अश्विन ने टेस्ट की 193 पारियों में 527 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया है। चेन्नई के इस गेंदबाज के पास नाथन लायन से आगे निकलना का सुनहरा मौका है। वह चार विकेट चटकाते ही ऑस्ट्रेलिया के घातक स्पिनर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। लायन के नाम टेस्ट में 530 विकेट दर्ज हैं। तीन विकेट चटकाते ही वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले सातवें गेंदबाज बन जाएंगे। अश्विन ने भारत में खेले 128 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 466 विकेट लिए हैं। अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में 11 विकेट चटका लेते हैं, तो वह भारतीय सरजमीं पर खेले गए मैचों में अनिल कुंबले के 476 अंतरराष्ट्रीय विकेटों के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को लगा तगड़ा झटका, चोट के कारण तेज गेंदबाज हुआ बाहर

बेंगलुरु । भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड की टीम को तगड़ा झटका लगा है। उनके तेज गेंदबाज बेन सीयर्स घुटने की चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। बता दें कि, भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज बुधवार यानी 16 अक्तूबर से होगा। इस दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। बांग्लादेश के खिलाफ खत्म हुई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत के बाद भारतीय टीम की नजर इस सीरीज में क्लीन पर होगी। न्यूजीलैंड के श्रीलंका दौरे पर सीयर्स ने बाएं घुटने में दर्द की शिकायत की थी। घर पर किए गए स्कैन से पता चला कि उनके मेनिस्कस में चोट है, जिसके कारण बोर्ड को मेडिकल टीम से सलाह लेनी पड़ी। अब न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया, चिकित्सकों की सलाह के बाद यह फैसला लिया गया कि वह सीरीज नहीं खेलेंगे।

उनके सर्वश्रेष्ठ उपचार और रिहैबिलिटेशन के बारे में जल्दी ही फैसला लिया जाएगा। सीयर्स की जगह बोर्ड ने जैकब डफी को उनके विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया है।

वह बुधवार को भारत के लिए रवाना होंगे। उन्होंने अब तक न्यूजीलैंड के लिए छह वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 11-11 विकेट चटकाए हैं। वहीं, 102 प्रथम श्रेणी मैचों में उन्होंने 299 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने एक बयान में कहा- हम बेन के लिए निराश हैं, जिन्होंने हाल ही में अपने टेस्ट करियर की मजबूत शुरुआत की और एक तेज गेंदबाजी का टीम को विकल्प दिया। यह देखना अभी बाकी है कि हम कितने समय तक उनके बिना रहेंगे, लेकिन हमें उम्मीद है कि उनके पूरी तरह से ठीक होने का रास्ता छोटा होगा।

यह जैकब के लिए एक रोमांचक अवसर है जो पहले भी टेस्ट टीम में शामिल रह चुके हैं। हमारे सामने तीन टेस्ट हैं और उनके पास टेस्ट डेब्यू करने का पूरा मौका है।

मंयक यादव- नितीश रेड्डी को टेस्ट में कब मिलेगा मौका?

नई दिल्ली । 16 अक्टूबर यानी बुधवार से भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने तेज गेंदबाज मयंक यादव और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी के जल्द टेस्ट डेब्यू होने के संकेत दिए। मयंक और नितीश दोनों ही बांग्लादेश के खिलाप हाल ही में संपन्न तीन मैचों की सीरीज में भारत की टी20 टीम का हिस्सा थे। दूसरे टी20 मैच में नितीश ने 34 गेंदों पर 74 रन बनाकर प्रभावित किया। इसमें 3 विकेट भी झटके हैं। मयंक ने भी गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। तीन मैचों में सात से कम की इकॉनमी से चार विकेट चटकाए। इन दोनों को प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा के साथ आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। इस बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट से पहले टेस्ट कॉन्फ्रेंस में दोनों को लेकर सवाल हुआ। रोहित शर्मा ने कहा कि, मैं समझता हूं कि उन्होंने बहुत नहीं खेला है। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं। अगर हम किसी को जल्दी से जल्दी टीम में चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं। अगर हम किसी को जल्दी से जल्दी टीम में चाहते हैं, तो हम उन्हें जल्दी से टीम में लाएंगे। अगर कोई चोटिल हो जाता है तो हम चाहते हैं कि वे आगे आएं। उनके आस-पास होना, उनसे बात करना और ये देखना अच्छा है कि वे टेस्ट क्रिकेट को कैसे देखते हैं।

उन्हें धीरे-धीरे तैयार करना अहम है। इस साल के आईपीएल में नितीश और मयंक ने सुर्खियां बटोरीं और ये दोनों ही नाम घर-घर में चर्चा में रहे। हाल के सीजन में सिर्फ चार मैच खेलने के बावजूद मयंक ने अपनी गति से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनके साथ विकेटों में जॉनी बेयरस्टो और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों का विकेट लेना भी शामिल था। वहीं सनराइजर्स के लिए नितीश ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया।

भारत और न्यूजीलैंड के पहले टेस्ट में बारिश बनेगी बाधित, बेंगलुरु में येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली ।

बेंगलुरू में लगातार भारी बारिश के कारण एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से एक दिन पहले भारत के ट्रेनिंग सेशन को रद्द करना पड़ा है। मूल रूप से सुबह 9.30 बजे के लिए निर्धारित सत्र को पहले एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया। फिर बारिश के रुकने का कोई संकेत न मिलने पर इसे पूरी तरह से रद्द कर दिया गया। कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच की तरह बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच भी प्रभावित हो सकता है। कानपुर में भारत के पिछले टेस्ट में 2 दिन एक भी गेंद का खेल नहीं हो सका था। हालांकि, बेंगलुरु में सप्ताह के बाकी दिनों में भी बारिश का

अनुमान जताया है। टेस्ट के पहले और दूसरे दिन बारिश होने की 70 प्रतिशत से 90 प्रतिशत संभावना है, और कर्नाटक में बेंगलुरु समेत कई जगहों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

क्रिकइंफो बेंगलुरु में पिछले एक सप्ताह से काफी बारिश हो रही है। खेल से दो दिन पहले सोमवार को भी बारिश हुई, लेकिन दोनों टीमें अपने-अपने ट्रेनिंग सेशन पूरा करने में सफल रहीं। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा को भी पिच को अच्छी तरह से देखने का समय मिला, जिसके बाद पिच क्यूरेटर के साथ लंबी चर्चा हुई। बेंगलुरु में सोमवार रात और मंगलवार सुबह को बारिश होती रही। चिन्नास्वामी में कवर नहीं हटाए गए हैं।

त्योहारी सीजन में 4.25 लाख करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद, चीनी सामान से ग्राहक बरकरार रखेंगे दूरी

नई दिल्ली ।

भारत के सबसे बड़े त्यौहार दीवाली और उससे जुड़े अन्य त्योहारों की श्रृंखला को जोर-शोर से मनाने के लिए व्यापारी और ग्राहक दोनों बेहद उत्साहित हैं. यही वजह है कि इस बार रक्षाबंधन से लेकर दीवाली के त्योहारों के सीजन में देश के बाजारों में लगभग 4.25 लाख करोड़ रुपये के व्यापार होने की संभावना है. कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया की त्यौहार के सीजन में लगभग 70 करोड़ ग्राहक बाज़ारों में खरीदारी करते हैं और जहां 500 रुपये या उससे कम खरीदारी करने वाले लोग हैं वहीं हज़ारों और लाखों रुपये खर्च करने वालों की भी कमी नहीं है. इसीलिए देश में त्यौहार के इस सीजन को व्यापार के लिहाज से बेहद ही महत्वपूर्ण माना जाता रहा है. कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देश के कई रायों के 70 शहरों में जिन्हें कारोबारी डिस्ट्रीब्यूशन का केंद्र माना जाता है, उसमें व्यापारी संगठनों के बीच एक हालिया सर्वे कराया है. इस साल देश भर में व्यापारियों ने बड़े पैमाने पर ग्राहकों की मांग और पसंद को पूरा करने के लिए व्यापक तैयारियां की है. जिस तरह से देश भर के बाज़ारों में इस बार रक्षा बंधन, गणेश पूजा, नवरात्रि, दुर्गा पूजा और दशहरा पर ग्राहकों द्वारा बड़ी खरीदारी की गई, उसको देखते हुए इस साल त्योहारों के सीजन का व्यापार 4.25 लाख करोड़ रुपये का होने की बड़ी संभावना है. पिछले साल ये आंकड़ा लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये के व्यापार का था. अकेले दिल्ली में यह त्यौहारी व्यापार का आंकड़ा 75 हज़ार करोड़ रुपये से यादा का रहने वाला है. त्योहारों के सीजन के बाद तुरंत शादियों का सीजन शुरू हो जाएगा जिसमें भी देश भर के व्यापारी बड़े व्यापार होने की उम्मीद कर रहे हैं. खास तौर से गिफ्ट आइटम्स, मिठाई-नमकीन, ड्राई

फरूट, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कपड़े, गहने, कपड़ा, बर्तन, क्राकरी, मोबाइल, फर्नीचर, फ़र्निशिंग, रसोई के उपकरण, घर सजाने का सजावटी सामान, फुटवियर, सौंदर्य प्रसाधन, कास्मेटिक्स, कंप्यूटर और आई टी इक्रिपमेंट, स्टेशनरी, बिजली का सामान, फल, फूल, पूजा सामग्री,मिट्टी के दिये और कुम्हारों द्वारा बनाये गये अन्य सामान, भगवानों की तस्वीर, मूर्ति, हार्डवेयर, पेंट, फ़ैशन की वस्तुएं, खाने-पीने का सामान, एफएमसीजी सामान, किराना, सॉफ्ट ड्रिंक, कन्फ़ेक्शनरी, खाद्य तेल, रेडीमेड फूड, खिलौने वगेरह जमकर बिकेंगे.

शादियां-त्योहारी कार्यक्रम बढ़कर होने से मुनाफा

देश भर में हजारों समारोह होने के कारण सर्विस सेक्टर से जुड़े होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हाल, कैटरिंग, इवेंट मैनेजमेंट, कैब सर्विस, डिलीवरी सेक्टर, कलाकारों सहित इसी तरह के अन्य वर्गों को भी बड़ा कारोबारी मुनाफा होगा.

जानिए किस व्यापार में होगा कितना खर्च

एक मोटे अनुमान के मुताबिक 4.25 लाख करोड़ के अनुमानित त्योहारों के व्यापार में लगभग 13 फीसदी खाने और किराना में, 9 परसेंट वेलरी में, 12 परसेंट कपड़ा-गारमेंट, 4 फीसदी ड्राई फरूट, मिठाई और नमकीन, 3 फीसदी घर की साज सजा, फीसदी कास्मेटिक्स, 8 फीसदी इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल, 3 फीसदी पूजन सामग्री और पूजा वस्तुओं, 3 फीसदी बर्तन और रसोई उपकरण, 2 फीसदी कॉन्फ़ेक्शनरी और बेकरी, 8 फीसदी गिफ्ट आइटम्स, 4 फीसदी फ़र्निशिंग और फर्नीचर और शेष 20 फीसदी ऑटोमोबाइल, हार्डवेयर, इलेक्ट्रिकल, खिलौने सहित दूसरी कई वस्तुओं और सेवाओं पर ग्राहकों द्वारा खर्च किए जाने का अनुमान है. उन्होंने बताया कि पैकिंग क्षेत्र को भी त्योहारों पर बड़ा व्यापार मिलेगा.

चीनी सामान का हो रहा बायकॉट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से त्योहारों पर लोकल बनी वस्तुएं खरीदने का आग्रह किया गया था जिसे मानते हुए लोकल खरीदारी पर बड़ा जोर देखा गया है. कैट ने भी देश भर के व्यापारी संगठनों से आग्रह किया है कि वो अपने शहर के स्थानीय निर्माताओं, कारीगरों और कलाकारों के बनाये गये उत्पादों को बाजार दिलाने में सहयोग करें. वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान की वजह से चीनी सामान की मांग पिछले वर्षों में बड़ी हद तक घटी है. इस साल के त्योहारों सीजन में चीन का कोई भी सामान बाज़ारों में नहीं बिकेगा ऐसा माना जा रहा है.

कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर, सर्वे में दावा- 2025 में 9.5फीसदी तक वेतन बढ़ा सकती हैं कॉरपोरेट कंपनियां

नई दिल्ली । मंगलवार को एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि देश की कॉरपोरेट कंपनियों में काम कर रहे लोगों के वेतन में 2025 में 9.5 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। यह अनुमान 2024 की वास्तविक वेतन वृद्धि के समान ही हैं। डब्ल्यूटीडब्ल्यू की नवीनतम वेतन बजट योजना रिपोर्ट के अनुसार, भारत में औसत वेतन वृद्धि 2025 में 9.5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है, वर्ष 2024 की वास्तविक वेतन वृद्धि भी 9.5 प्रतिशत ही रही है। भारत में यह वेतन वृद्धि पूरे क्षेत्र में सबसे अधिक है। वियतनाम (7.6 प्रतिशत), इंडोनेशिया (6.5 प्रतिशत), फिलीपींस (5.6 प्रतिशत), चीन (5 प्रतिशत) और थाईलैंड (5 प्रतिशत) जैसे बाजारों में भी अगले साल मजबूत वेतन वृद्धि दिख सकती है। वेतन बजट योजना से जुड़ी रिपोर्ट डब्ल्यूटीडब्ल्यू के रिवार्ड्स डेटा इंटेलिजेंस प्रैक्टिस द्वारा संकलित की जाती है। यह सर्वेक्षण अप्रैल और जून 2024 में आयोजित किया गया था। इस दौरान दुनिया भर के 168 देशों की कंपनियों से लगभग 32,000 प्रतिक्रियाएं ली गईं थी। सर्वेक्षण में भारत से 709 प्रतिभागी शामिल किए गए थे। WTW इंडिया के कंसल्टिंग लीडर, वर्क एंड रिवॉर्ड्स, राजुल माथुर के अनुसार भारत में कंपनियाँ विकास के बारे में आशावादी हैं। वे आशावाद को सावधानी के साथ संतुलित भी कर रहे हैं। इस्तीफे का दौर पीछे छूट गया है। नियोक्ता और कर्मचारी दोनों अब स्थिरता चाहते हैं और बाजार की भावना भी स्थिर बनी हुई है। 2025 में, फार्मास्यूटिकल्स (10 प्रतिशत), मैन्युफैक्चरिंग (9.9 प्रतिशत), बीमा (9.7 प्रतिशत), कैप्टिव और एसएसओ सेक्टर (9.7 प्रतिशत) और रिटेल (9.6 प्रतिशत) जैसे उद्योगों में वेतन वृद्धि सामान्य उद्योगों के वेतन औसत से अधिक रहने की संभावना है। सॉफ्टवेयर और बिजनेस सर्विसेज के क्षेत्र में 9 प्रतिशत तक की वेतन वृद्धि हो सकती है। इस क्षेत्र में वेतन वृद्धि औसत 9.5 प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है।

रिलायंस-एचडीएफसी बैंक में बिकवाली; ऊपरी स्तरों से 600 अंक फिसला सेंसेक्स; निफ्टी 25100 से नीचे

नई दिल्ली । शुरुआती कारोबार में बढ़त हासिल करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में गिरावट दिख रही है। दिन के ऊपरी स्तरों से बेंचमार्क सूचकांकों ने गोता लगा दिया है। रिलायंस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बिकवाली के कारण ऊपरी स्तरों से सेंसेक्स 600 अंकों तक नीचे फिसल गया। दूसरी ओर, निफ्टी भी कमजोर 25100 के नीचे आ गया। इससे पहले, बाजार में मंगलवार को भी बढ़त का सिलसिला जारी रहा। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में कारोबार की शुरुआत हरे निशान पर हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 327.39 अंक चढ़कर 82,300.44 पर पहुंच गया; दूसरी ओर, निफ्टी 84.1 अंकों की मजबूती के साथ 25,212.05 पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले सेंसेक्स में 82,101.86 और निफ्टी में 25,186.30 के स्तर पर ओपनिंग हुई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर

ऑटो और मेटल को छोड़कर सभी सेक्टोरल स्टॉक हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। कारोबार के शुरुआती घंटे में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, इंफोसिस और आईसीआईसीआई बैंक सबसे यादा लाभ में रहे। दूसरी ओर ओएनजीसी, टाटा स्टील, हिंडाल्को, एमएंडएम और जेएसडब्ल्यू के शेयरों में नुकसान दिखा। इससे पहले सोमवार को घरेलू बाजार में सकारात्मक रुझान के साथ कारोबार होता दिखा था और सेंसेक्स-निफ्टी दिन के उचतम स्तर पर बंद हुए थे। मंगलवार को कार बनाने वाली कंपनी हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ निवेशकों के लिए खुला। आईपीओ के लिए निर्गम मूल्य 1865 रुपये से 1960 रुपये तय किया गया है। इसके अलावा, निवेशक रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी निवेशक प्रतिक्रिया देंगे। कंपनी का शुद्ध लाभ पहली तिमाही की तुलना में दूसरी तिमाही में 9.4 प्रतिशत बढ़ा है। इस बीच, मंगलवार को एशियाई बाजार में मिले-जुले ढंग से कारोबार होता दिखा। शंघाई कंपोजिट खबर लिखे जाने तक 27 अंक से अधिक नीचे था। हालांकि, जापान के निक्केई 225 में 1.5 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई।

दूसरी ओर, अमेरिकी बाजार आईटी शेयरों में मजबूती की बदौलत 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। एनवीडिया के शेयरों में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई, जिसका फायदा अमेरिकी बाजारों को मिला। एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी अन्य प्रमुख आईटी कंपनियों में भी करीब 2 प्रतिशत की तेजी आई।

अगर आपको मजा नहीं आ रहा तो..., काम और जीवन में संतुलन लाने पर वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष की सलाह

नई दिल्ली । काम और जीवन में संतुलन बनाना बहुत जरूरी है। अगर इसे सही से संतुलित नहीं कर पाते हैं तो दोनों पर ही इसका बुरा असर पड़ता है। अब कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने में आने वाली चुनौतियों पर वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष और मास्टरकार्ड के पूर्व सीईओ अजय बंगा ने अपनी राय साझा की। उनका सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह सुझाव देते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संतुलन एक अत्यधिक व्यक्तिगत अवधारणा है, जो व्यक्ति दर व्यक्ति काफी अलग होती है।

उन्होंने कहा, कुछ लोग हर दिन 12-18 घंटे काम करके भी संतुलित महसूस करते हैं। जबकि वहीं अन्य लोग छह घंटे से अधिक काम करने पर संघर्ष महसूस करते हैं। ऐसे में अगर संतुलन की व्याख्या की जाए तो यह एक व्यक्तिगत टास्क है। मैं नहीं जानता इसे

आप खुद के लिए कैसे परिभाषित करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके लिए काम और जीवन में संतुलन लाना दो मुख्य तत्वों पर निर्भर करता है। पहला अपने काम से प्यार करना और दूसरा अपने तथा प्रियजनों के लिए समय निकालना। अगर आप जो कर रहे हैं और उसे करने में मजा नहीं आ रहा है तो कुछ अलग करने का समय है। अगर जितना हम काम करते हैं उतना ही आप कर रहे या यदि आप यात्रा करते समय उसका आनंद नहीं ले रहे तो फिर आप ऐसा क्यों ही कर रहे हैं? उन्होंने परिवार के लिए समय देने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही अपने खुद के अनुभवों को साझा किया। हांगकांग में सिटीग्रुप एशिया में अपने कार्यकाल के दौरान वह अक्सर महत्वपूर्ण पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए घर वापस आ जाते थे। उन्होंने कहा कि भले ही एक दिन के लिए जाता था पर कार्यक्रमों में शामिल होता था। वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष ने कहा, आपको उनको समय देना होगा। यह उनके जरूरी है। यदि उन्हें आपकी जरूरत है और आप तब नहीं जा रहे तो आपके पास कोई संतुलन नहीं है। उन्होंने व्यक्तिगत बातचीत के महत्व पर भी जोर दिया। साथ ही मोबाइल की आलोचना की। बंगा ने लोगों से आग्रह किया कि वे अपने फोन में खोने की बजाय शारीरिक रूप से अपने आसपास के लोगों पर ध्यान दें। उनसे बातें करें। उन्होंने कहा कि आप लोगों से बात करने या समय बिताने के बजाय फोन के साथ यादा समय बिता रहे हैं,

डीजीसीए ने स्पाइसजेट पर से विशेष निगरानी हटाई, बताया यह कारण

नई दिल्ली । विमानन नियामक डीजीसीए ने मंगलवार को कहा कि उसने स्पाइसजेट विशेष निगरानी से बाहर कर दिया है। एयरलाइन ने कमियों को दूर करने के लिए कदम उठाए हैं और अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए धन जुटाया है। 13 सितंबर को, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन को निगरानी व्यवस्था के तहत रखा था, क्योंकि वित्तीय बाधाओं के कारण एयरलाइन के विमान रखरखाव से संबंधित अनिवार्य दायित्वों के निर्वहन पर असर पड़ा था। डीजीसीए ने एक बयान जारी कर कहा कि निगरानी व्यवस्था के तहत नियामक ने ने विभिन्न स्थानों पर कुल 266 बार जांच की। नियामक के अनुसार, यह सुनिश्चित किया गया कि मौके पर की गई जांच के दौरान पाई गई कमियों को एयरलाइन ने उचित सुधार की कार्रवाई की। डीजीसीए ने कहा, इसके मद्देनजर और कंपनी में अतिरिक्त धन के वित्तीय प्रवाह के कारण, स्पाइसजेट को निगरानी व्यवस्था से हटा दिया गया है। पिछले महीने संकटग्रस्त स्पाइसजेट ने संस्थागत निवेशकों से 3,000 करोड़ रुपये जुटाए थे.